उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-9 अंक-19)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 10 जून, 2024

यूपी में यूपी के दो लड़कों ने डबल इंजन को पहुंचाया नुकसान 6

नीट परीक्षा पर छात्रों ने कोचिंग के बाहर किया हंगामा 8

देश में मोदी 3.0 का आगाज

मोदी ने तीसरी बार ली पीएम पद की शपथ

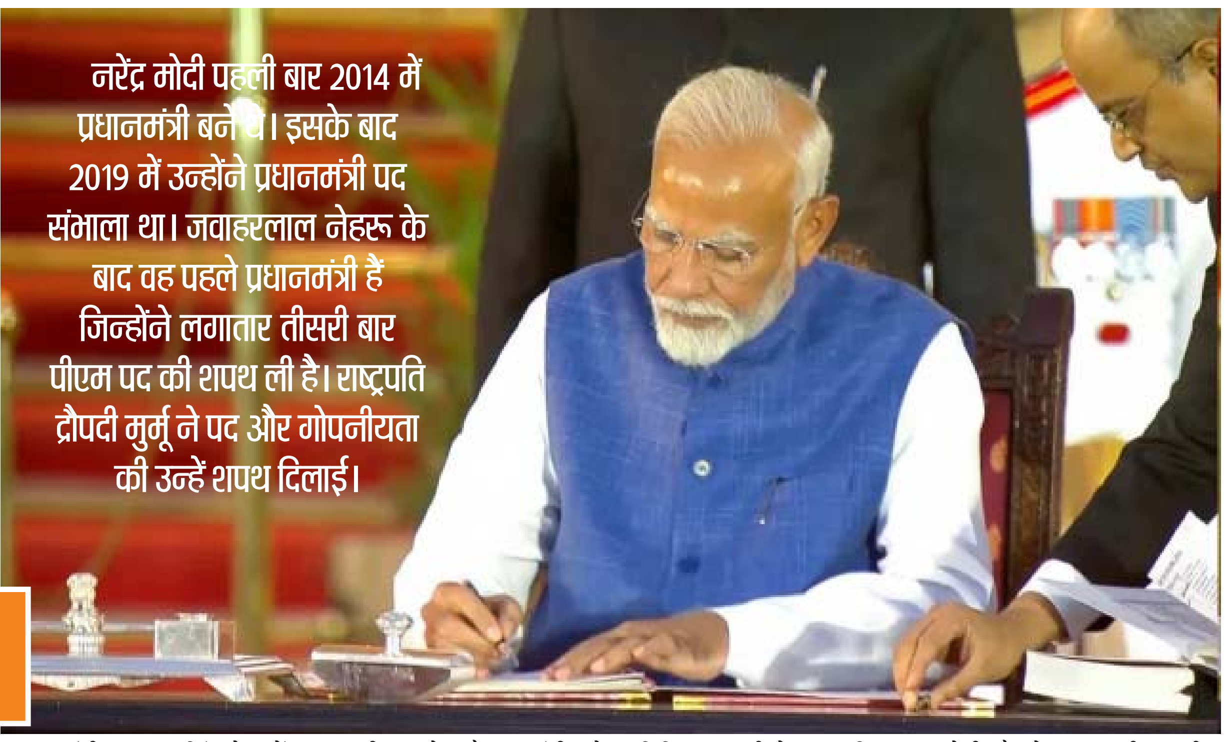

नरेंद्र मोदी पहली बार 2014 में प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद 2019 में उन्होंने प्रधानमंत्री पद संभाला था। जवाहरलाल नेहरू के बाद वह पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लगातार तीसरी बार पीएम पद की शपथ ली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद और गोपनीयता की उन्हें शपथ दिलाई।

राजनाथ, शाह, गडकरी भी बने मंत्री,30 कैबिनेट मंत्री, पांच स्वतंत्र प्रभार और 36 राज्य मंत्रियों ने शपथ ली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार शपथ लेकर नरेंद्र मोदी ने देश में नया इतिहास रच दिया है। हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए ने जबर्दस्त बहुमत हासिल की जिसके बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर से सरकार बनी है। नरेंद्र मोदी पहली बार 2014 में प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद 2019 में उन्होंने प्रधानमंत्री पद संभाला था। जवाहरलाल नेहरू के बाद वह पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लगातार तीसरी बार पीएम पद की शपथ ली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद और गोपनीयता की उन्हें शपथ दिलाई।

नरेंद्र मोदी के बाद उनके मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों ने शपथ लिया जिसमें सबसे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह थे। नरेंद्र मोदी के ठीक बाद राजनाथ सिंह ने शपथ ग्रहण किया। राजनाथ सिंह के बाद अमित शाह ने शपथ ग्रहण किया। अमित शाह 2019 में पहली बार देश के गृह मंत्री बने थे। वह निवर्तमान सरकार में गृह मंत्री थे। अमित शाह गांधीनगर से दूसरी बार संसद के रूप में दिल्ली पहुंचे हैं। अमित शाह के बाद नितिन गडकरी ने शपथ लिया। नितिन गडकरी नागपुर से चुनाव लड़ते हैं। वह 2014 से लगातार केंद्र में मंत्री बने हुए हैं। यह तीसरा मौका है जब वह नरेंद्र मोदी के सरकार में मंत्री पद संभालने जा रहे हैं। भाजपा नेता जेपी नड्डा ने दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। शिवराज सिंह चौहान ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली है। भाजपा नेता निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। डॉ. एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

भाजपा नेता मनोहर लाल ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ ली।

भाजपा नेता पीयूष वेदप्रकाश गोयल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ ली। भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रदेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ ली। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) के संस्थापक जीतन राम मांझी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। जेडीयू नेता राजीव रंजन (ललन) सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। भाजपा नेता सर्बानंद सोनोवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

आतंकी हमले को लेकर शुरू हुई राजनीति, खड़गे ने साधा मोदी सरकार पर निशाना, राहुल ने जताया दुख

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक तीर्थस्थल से तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर संदिग्ध आतंकवादियों की गोलीबारी में दस लोग मारे गए और 33 अन्य घायल हो गए। हमले के बाद बस खाई में लुढ़क गई। पुलिस ने बताया कि घटना शाम 6=10 बजे हुई जब आतंकवादियों ने रियासी के शिव खोरी मंदिर से कटरा लौट रही बस पर गोलीबारी की। इस घटना को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पोस्ट में कहा कि यहां तक कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उनकी एनडीए सरकार शपथ ले रही है और कई देशों के प्रमुख देश में हैं, तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर एक कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले में कम से कम 10 भारतीयों की जान चली गई है।राहुल गांधी ने लिखा कि जम्मू-कश्मीर के रियासी ज़िले में, शिवखोड़ी मंदिर से तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हुआ कायरतापूर्ण आतंकी हमला अत्यंत दुखद है। यह शर्मनाक घटना जम्मू-कश्मीर के चिंताजनक सुरक्षा हालातों की असली तस्वीर है। उन्होंने कहा कि मैं सभी शोक संतप्त परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द से जल्द ठीक होने की आशा करता हूं। आतंकवाद के विरुद्ध पूरा देश एकजुट खड़ा है। शिव खोड़ी मंदिर से कटरा जा रही 53 सीटों वाली बस गोलीबारी के बाद गहरी खाई में गिर गई। यह घटना पोनी इलाके के तेरयाथ गांव के पास शाम करीब छह बजकर 15 मिनट पर हुई। रियासी की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने संवाददाताओं को बताया, "10 तीर्थयात्री की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए।"

बस पर आतंकी हमला, 10 लोगों की मौत, शिवखोड़ी गुफा के दर्शन करने जा रहे थे श्रद्धालुओं

जम्मू। रियासी के उपायुक्त ने कहा कि रविवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर संदिग्ध आतंकवादियों की गोलीबारी में 10 लोग मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। हमले के बाद बस खाई में लुढ़क गई। बस शिवखोड़ा मंदिर से कटरा लौट रही थी तभी आतंकियों ने उस पर फायरिंग कर दी। सूत्रों के मुताबिक, यह आतंकियों का वही ग्रुप है जो राजौरी, पुंछ और रियासी के ऊपरी इलाकों में छिपा हुआ है। हमले की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। तलाशी एवं बचाव अभियान जारी था जबकि सुरक्षा बलों ने घटनास्थल पर जांच शुरू कर दी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, बस शिव खोरी के पास रनसू से कटरा शहर जा रही थी, जो त्रिकुटा पहाड़ियों में वैष्णो देवी मंदिर के लिए आधार शिविर के रूप में कार्य करता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पंजीकरण संख्या वाली बस कई तीर्थयात्रियों को ले जा रही थी। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि दो नकाबपोश आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिससे कांडा चंडी मोड़ के पास चालक को चोट लगी और वाहन खाई में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

यह इलाका रियासी और राजौरी जिले की सीमा पर पड़ता है और पहले भी यहां आतंकियों

की आवाजाही की सूचना मिलती रही है।

विज्ञापन कार्यालय-130/4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

NEW SAHU FAMILY RESTAURANT

638y-1, Block Kidwai Nagar

Owner Management Suresh Sahu

M.-8303637506, 9792526852

Near -Dasu Kunwa Chauraha Noubasta Kanpur

Web .site—www.sahufamilyrestaurant.com

Sahu

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को

ईदुल अजहा की हार्दिक शुभकामनाएं

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें www.bpsnews.in

सम्पादक (बी.पी.साहू)

मो.8423454502,9335908846

Jai Ambey Traders

ARUN KUMAR ASTHANA

arunasthana32@gmail.com

7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401

Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur

Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

संपादकीय

जननायक पटनायक

नवीन पटनायक कुछ दिन और सत्ता में रह पाते तो उनका मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल देश में सबसे ज्यादा होता। इसके बावजूद लगातार 24 साल तक उन्होंने एकछत्र राज किया। हालांकि, इस बार के लोकसभा चुनाव के साथ कराये गए ओडिशा विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी बीजू जनता दल को करारी हार का सामना करना पड़ा है। जिस पार्टी को नब्बे के दशक में राज्य की राजनीति में पैर रखने की जगह बीजेडी ने दी थी, उसी ने उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया। राज्य में अब भाजपा पहली बार सरकार बनाने जा रही है। उसे विधानसभा की 78 सीटें मिली हैं। वहीं आम चुनाव में लोकसभा की कुल इक्कीस सीटों में से बीस सीटें भाजपा को मिली हैं। वक्त का पहिया कुछ ऐसा घूमा है कि लगातार पांच बार विधानसभा चुनाव जीतने और चौबीस साल तक निष्कंटक राज करने वाले नवीन पटनायक अपने एक अन्य विधानसभा क्षेत्र से चुनाव हार गए। बीजेडी को 51 विधानसभा सीटों पर सफलता जरूर मिली मगर लोकसभा की एक भी सीट बीजेडी नहीं जीत सकी। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेडी ने 12 व भाजपा ने आठ सीटें जीती थी। हालांकि, राजनीति के पुराने खिलाड़ी नवीन पटनायक को इस बात का बखूबी अहसास था कि भाजपा उन्हें सत्ता से विस्थापित कर सकती है। फलत= उन्होंने अपने अंतिम कार्यकाल में भाजपा की काट के लिये सांस्कृतिक राजनीति का सहारा लेना शुरू कर दिया था। वे महसूस कर रहे थे कि ओडिशा के छोटे शहरों के युवाओं का रुझान भाजपा के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की तरफ बढ़ रहा है। अब तक लोक कल्याण योजनाओं को अपनी राजनीति की धार बनाने वाले नवीन पटनायक ने अयोध्या की रणनीति के मुकाबले में श्रीजगन्नाथ मंदिर के आसपास में एक हेरिटेज कॉरिडोर को मूर्त रूप देने का प्रयास किया। राज्य के अनेक प्राचीन मंदिरों को जीर्णोद्धार के जरिये नये सिरे से निखारा गया। इसके अलावा हाल ही में पहले विश्व ओड़िया भाषा सम्मेलन आयोजित करके साहित्य व संस्कृति कर्मियों को जोड़ने का प्रयास किया गया ।दरअसल, राज्य में बदलती राजनीतिक बयार के मद्देनजर नवीन पटनायक ने युवाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों को तरजीह दी। लोकप्रिय कल्याण कार्यक्रमों से इतर पटनायक ने बीजेपी की तरफ बढ़ रहे युवाओं को साथ जोड़ने के लिये ओडिशा को देश के खेलों की राजधानी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने उन खेलों को तरजीह दी जो क्रिकेट की सुनामी में हाशिये पर जा रहे थे। पटनायक सरकार ने हॉकी की राष्ट्रीय पुरुष व महिला हॉकी टीम को प्रायोजित किया। इसके अलावा पर्याप्त खेल संरचना के विस्तार के साथ ही राज्य में दो विश्व हॉकी कप श्रृंखला आयोजित की गई। राज्य में शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की असंतोषजनक स्थिति के मद्देनजर अस्पतालों का आधुनिकीकरण, स्कूलों की संरचना में बदलाव, बस सेवाओं में सुधार के प्रयास पिछले कुछ समय में किए गए। लेकिन उनकी एक कमी रही कि अपनी इन सार्थक पहलों का श्रेय लेने का प्रचार करने में वे पीछे रह गए। वहीं इन योजनाओं के क्रियान्वयन का दायित्व नौकरशाहों को सौंपने की वजह से उसका लाभ पार्टी को राजनीतिक तरीके से नहीं मिल पाया।

एक त्रुटिपूर्ण रणनीति का बेढंगा निपटान

5 और 6 जून की मध्य रात्रि भयावह थी। अकाल तख़्त, जोकि मुगल एवं अफगान आक्रांताओं के विरुद्ध सिख सार्वभौमिकता और संघर्ष का ऐतिहासिक प्रतीक रहा है, वह खंडहर में तब्दील हो गया। सैन्य कार्रवाई में लगभग 330 सुरक्षाकर्मी और 780 सिविलियन मारे गए, जिनमें वे श्रद्धालु भी शामिल थे जो स्वर्ण मंदिर के संस्थापक गुरु अर्जुन देव के शहीदी पर्व के अवसर पर इकट्ठा हुए थे। निशाने से चूके गोलों की वजह से परिसर के पश्चिमी सिरे से सटे निजी भवनों का बहुत नुकसान हुआ। लगभग 160 दुकानें और 15 घर तबाह हुए। लेकिन इस सबसे हासिल ज़्या हुआ? सेना ने कुछ सौ सशस्त्र लड़ाकों को मार गिराया, तथापि विजय विनाशकारी रही। ज़्लू स्टार ने जातीय-राष्ट्रीय संघर्ष के बीज बो डाले, जिससे आगे और ज्यादा हिंसा जन्मी। देश अपने और अपनों के विरुद्ध लड़ने लगा, जिसमें कुछ सैनिकों ने हथियार सहित बैरकें छोड़कर विद्रोह कर दिया। विद्रोही तत्व जल्दी ही फिर से स्वर्ण मंदिर परिसर पर काबिज हो गए और अप्रैल 1986 को परिसर से खालिस्तान की घोषणा कर दी। तत्पश्चात ऑपरेशन ज़्लैक थंडर 1 एवं 2 करने पड़े।

एक त्रुटिपूर्ण रणनीति का बेढंगा निपटान

वर्ष 1984 एक विध्वंसक साल रहा। इसमें घटित बड़े प्रसंग गौरतलब हैं‌ ऑपरेशन ब्लू स्टार, प्रधानमंत्री की हत्या और सिख विरोधी नरसंहार‌ इस एक बरस ने राष्ट्र के आंतरिक विमर्श और इतिहास का जिस प्रकार निर्धारण किया उतना शायद आजादी के उपरांत किसी अन्य साल ने नहीं किया।

40 साल गुजरना भी इसके आघात की टीस नहीं भर पाया। प्रभावित हुए लोगों को न्याय न मिलने की धारणा और त्रासदी की चुभन अभी भी सालती है। तमाम संबंधित पक्षों‌ राजनीतिक तत्व, सरकार के इशारे पर काम करने वाले, आतंकवादी और नरसंहार में लिप्त भीड़– की जवाबदेही तय करने के लिए यदि सत्य एवं सुलहकारी कोई आयोग बनाया गया होता तो शायद न्यायिक प्रक्रिया एवं मान–मनौव्वल से अंतत: आहत भावनाओं के मामले का संतोषप्रद समाधान हो पाता।

क्या ऑपरेशन ब्लू स्टार करने से बचा जा सकता था? तत्कालीन केंद्रीय सरकार आतंकवाद को खत्म के वास्ते इस कार्रवाई को बतौर एक अवश्यंभावी उपाय पेश करती रही। उस वक्त हथियारबंद विद्रोहियों ने पूरे स्वर्ण मंदिर परिसर पर कब्जा कर रखा था और हथियारों से लैस चौकियां बना डाली और संवैधानिक रूप से स्थापित राष्ट्र–नीति की वैधता को चुनौती देने को उद्यत थे। आम दलील अक्सर यह आती है– यदि स्वर्ण मंदिर परिसर में सशस्त्र विद्रोही किलेबंदी न करते तब क्योंकर सेना लगाने की जरूरत पड़ती।

आस्थावानों की धारणा किंतु इससे विपरीत है। ऑपरेशन ब्लू स्टार को सिखों के सबसे पवित्रतम स्थल को अपमानित करने की एक पूर्व निर्धारित योजना के रूप में देखा जाता है, जिसके पीछे मकसद था ध्रुवीकरण पैदा करके कुछ महीने बाद होने वाले आम चुनाव में राजनीतिक लाभ उठाना। इसको समझने के लिए आठवीं लोकसभा के चुनाव प्रचार में जारी विज्ञापनों में ध्रुवीकरण करती इबारत बांचें तो‌ 'क्या देश की सीमा अतंत: आपकी दहलीज़ तक आ जाएगी' या सिख चालक वाली टैक्सी दिखाकर संलग्न किया सवाल =' क्या आप इस टैक्सी में सुरक्षित महसूस करेंगे'।

विध्वंसक घटनाएं अक्सर उद्देश्य को ढांप देती है, विशेषकर आस्था के मामले में। ब्लू स्टार के मामले में अब कुछ तथ्य पूरी तरह स्थापित एवं किंतु–परंतु से इतर स्पष्ट हैं। संक्षेप में घटनाक्रम बताएं तो, अकाली दल ने 4 अगस्त, 1982 को अपनी दस मांगों को लेकर मोर्चा लगाने का ऐलान किया‌ इनमें धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक और अंतर–राज्यीय विवाद संबंधी मुद्दे थे। इसके लिए प्रदर्शनकारी रोज शांतिपूर्ण ढंग से गिरफ्तारियां देते थे। जून 1984 तक, लगभग 1 लाख 70 हजार कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी। पंजाब के लगभग 12000 गांवों में शायद ही कोई ऐसा होगा जहां से लोगों ने इस आंदोलन में भाग न लिया हो। अकालियों को अपने अनाड़ीपन में लगता था कि यदि वे जेलें भर देंगे तो केंद्र सरकार उनकी मांगें मानने को मजबूर हो जाएगी। लगभग दो साल चले इस आंदोलन में कोई 26 मौके ऐसे आए जब समझौते के प्रयास सिरे चढ़ते महसूस हुए, कुछ में प्रधानमंत्री और विपक्षी नेताओं ने भी भाग लिया। कम से कम दो अवसर ऐसे रहे जब सहमति पूरी तरह बन गई लेकिन केंद्र सरकार ऐन मौके पर पीछे हट गई। लगता है सरकार ने राजनीतिक हल न निकालने का मन बना लिया था और कैबिनेट की उप समिति ने मई 1984 में समस्या का सैन्य समाधान करना चुना। प्रणब मुखर्जी द्वारा पेश चेतावनी को किनारे करते हुए प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कहा = 'प्रणब, मुझे नतीजों के बारे में ज्ञान है‌ यह निर्णय बदला नहीं जा सकता'। फिर 25 मई को सेना प्रमुख को सेना को अमृतसर पहुंचाने के आदेश दिए गए हालांकि दिखावे के तौर पर 29 मई को अकालियों के एक प्रतिनिधिमंडल से केंद्रीय मंत्रियों का समझौता वार्ता का क्रम जारी रहा। इसमें आम सहमति बन भी गई लेकिन बाद में केंद्रीय मंत्री अपनी बात से यह कहकर पीछे हट गए =' मैडम नहीं मान रहीं'।

पंजाब के तत्कालीन राज्यपाल बीडी पांडे को सेना बुलाने के लिए अर्जी देने के कहा गया और इसके वास्ते औपचारिक आदेश पंजाब के गृह सचिव ने 2 जून को जारी किए। सेना ने स्वर्ण मंदिर और अन्य 42 गुरुद्वारों पर कार्रवाई की। राज्यपाल पांडे ने सैन्य अभियान न किए जाने की गुहार लगाई और बाद में पुष्टि की कि प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी राजनीतिक हल नहीं चाहती थीं। उधर जरनैल सिंह भिंडरावाले के साथ भी सरकार की प्रस्तावित वार्ताएं दो बार स्थगित हुईं‌ जिसमें एक सीधी राजीव गांधी से होनी थी‌ तब जरनैल सिंह भिंडरांवाले ने अपने समर्थकों से कहा =' वार्ता भले जारी रखो, लेकिन अपनी तैयारी भी पूरी रखो'। और यह तैयारी थी सशस्त्र आंदोलन की, जो अकाली दल के शांतिपूर्ण मोर्चे के समानांतर चली हुई थी।

विद्रोही इसे 'हकां दी लड़ाई' करार दे रहे थे। उनके लिए, हिंसा पुलिसिया जबर की प्रतिक्रिया थी और राजसत्ता से संवाद का एक अन्य ढंग भी, उनके अपने तरीके का। चूंकि विद्रोहियों को संवैधानिक रूप से वैधता प्राप्त नहीं होती इसलिए वे विद्वान मार्क जुएर्गेंस्मेयर के शब्दों में 'धर्म प्रदत अधि–नैतिकता' को अपनी स्वीकार्यता का आधार बताते हैं। तत्पश्चात हिंसा उतरोत्तर बढ़ती गई। पाकिस्तान ने विद्रोहियों को प्रशिक्षण और हथियार देकर अपना खेल शुरू कर दिया। राज्य व्यवस्था यद्यपि सुस्त न थी तो भी निष्प्रभावी लगने लगी। स्वर्ण मंदिर परिसर के अंदर मशीनगन सहित हथियारबंद किलेबंदी होने लगी। तत्कालीन पुलिस प्रमुख प्रीतम सिंह भिंडर की मानें तो अंदर पहुंचाए जाने वाले हथियारों की जब्ती इसलिए नहीं की गई क्योंकि जून से दो माह पहले तक ऐसा न करने का मौखिक आदेश 'ऊपर से' था, लिहाजा कार सेवा के ट्रकों की तलाशी नहीं ली जाती थी। सेना ने 3 जून की रात को स्वर्ण मंदिर परिसर को घेर लिया। सेना ने विद्रोहियों से समर्पण करवाने हेतु वार्ता का प्रयास नहीं किया। विद्रोहियों का नेतृत्व मेजर जनरल शबेग सिंह के हाथ में था जोकि भारतीय सैन्य अकादमी में उस वक्त प्रशिक्षक थे जब ऑपरेशन ब्लू स्टार में सैनिकों के कमांडर मेजर जनरल कुलदीप सिंह बरार वहां कैडेट थे। दोनों एक–दूसरे को भलीभांति जानते थे। यदि उनकी आपस में बातचीत होती तो शायद इस खूनी त्रासदी को टाला जा सकता था‌ लेकिन यह वह किंतु–परंतु हैं, जिनसे इतिहास रचा होता है। फिर, चरमपंथियों ने लड़ाई की, पश्चिमी सैन्य कमान के जीओसी रहे ले. जनरल वीके नायर के शब्दों में =' क्योंकि उनको और कोई विकल्प नहीं दिया गया'।

सिंगल विचारधारा का नेतृत्व बनाम बैसाखियों के सहारे

सिंगल विचारधारा का नेतृत्व बनाम बैसाखियों के सहारे से नेतृत्व

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां की नज़रें भारत परदिनांक 4 जून 2024 को देर रात्रि तक टिकी रही जो 5 जून 2024 सुबह तक पूरी तस्वीर साफ हो गई कि एनडीए की अगुवाई में ही सरकार बनना तय है,जिसकी सटीकता पर मोहर देर शाम संपन्न हुई एनडीए घटक दलों की बैठक में सर्वसम्मति से माननीय नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना तो पूरी दुनियां ने देखा कि पीएम बनने का दरवाजा खुला और पूरी दुनियां के बड़े से बड़े और पूर्ण विकसित से विकासशील देशों तक लंबी श्रृंखला से राष्ट्राध्यक्षों की बढ़ी बधाईयों का तांता लग गया, जो रेखांकित करने वाली बात है, क्योंकि सत्ता की हैट्रिक लगाना आजाद भारत में दूसरी बार हो रहा है, क्योंकि,उनसे पहले ऐसा सिर्फ एक बार हुआ है, जब ब्रितानी शासन से आज़ादी हासिल करने के बाद जवाहरलाल नेहरू 16 साल तक आज़ाद भारत के प्रधानमंत्री रहे थे। लेकिन मोदी की जीत में उनकी पार्टी की 63 सीटों पर हुई हार भी शामिल है। अपने बल पर सरकार ना बना पाने की सूरत में वो अपने सहयोगी दलों पर पूरी तरह आश्रित हैं। अपने लंबे राजनीतिक करियर में नरेंद्र मोदी ने कभी गठबंधन सरकार का नेतृत्व नहीं किया है, ना हीं बतौर मुख्यमंत्री गुजरात में, और ना ही पिछले दो कार्यकाल में केंद्र में। दूसरी तरफ़, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को उम्मीद से ज़्यादा सीटें मिली हैं ।मज़बूत विपक्ष के सामने बीजेपी की स्थिति के मद्देनज़र मोदी के लिए पार्टी के अंदर और सरकार चलाने में स्थायित्व बनाए रखना एक चुनौती होंगी, चूंकि एनडीए ने सर्वसम्मति से अपना नेता चुन लिया है ।7 जून को सांसदों की बैठक होगी और 8 जून 2024 को पीएम के शपथ ग्रहण होने की संभावना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ग़ज़ब का नेतृत्वकर्ता नरेंद्र मोदी ने सीएम व दो बार पीएम बतौर कभी बैसाखी गठबंधन सरकार का नेतृत्व नहीं किया, इसलिए मजबूत विपक्ष के सामने सरकार चलाने में स्थायित्व रखना चुनौतीपूर्ण है। साथियों बात अगर हम 18वीं लोकसभा में सरकार बनाने के लिए एनडीए को बहुमत मिलनें की करें तो,लोकसभा चुनाव में मंगलवार को नतीजे आए हैं। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने 292 सीटों पर जीत दर्ज की और बहुमत हासिल किया है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने 234 सीटें हासिल की हैं। बीजेपी

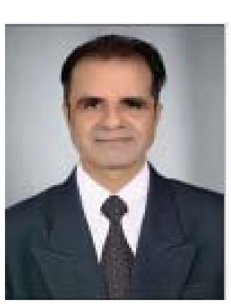

ने अकेले 240 सीटों पर जीत हासिल की है। ऐसे में वो बहुमत के आंकड़े (272) से काफी पीछे रह गई है।2014 के चुनाव में बीजेपी ने मोदी की अगुआई में 282 और 2019 चुनाव में 303 सीटें जीतकर अकेले दम पर बहुमत हासिल किया था। हालांकि, इस बार सहयोगी दलों को मिलाकर एनडीए बहुमत हासिल कर पाया है। 17वीं लोकसभा का 16 जून को समाप्त हो रहा है कार्यकाल, इससे पहले पीएम आवास पर केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई पीएम ने लोकसभा चुनाव के नतीजों और एनडीए के बहुमत हासिल करने के बाद संभावित सरकार गठन के बारे में बातचीत की। यह मोदी 2.0 की कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की आखिरी बैठक थी।

कैबिनेट मौजूदा लोकसभा को भंग करने की भी सिफारिश की ।साथियों बात अगर हम पीएम का शपथ ग्रहण समारोह 8 जून 2024 को होने की संभावना की करें तो, इस बार चुनावी रिज़ल्ट 4 दिन बाद शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है, बता दें कि 2019 के नतीजों के 7 दिन बाद पीएम पद का शपथ ग्रहण समारोह समारोह आयोजित हुआ था2014 में जब एनडीए सरकार बनी थी तब 10 दिन बाद मोदी ने पीएम पद की शपथ ग्रहण की थी। इस बार नतीजे आने के बाद 4 दिन बाद यानी 8 जून को शपथ ग्रहण की तैयारी होने की खबर है, बताया जा रहा है कि मोदीजी 8 जून, 2024 को सायंकाल में पीएम पद की तीसरी बार शपथ लेंगे ।पीएम ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि दिन शनिवार को आर्द्रा नक्षत्र में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। शनिवार को ही सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र सेनिकलकर मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे जिसकी वजह से सरकार और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करेगी ।माना जाता है कि शपथ ग्रहण करने का दिन चतुर्थ, नवम, चतुर्दशी,अमावस्या या पूर्णिमा पर नहीं होना चाहिए. इन तिथियों को अच्छा नहीं कहा जाता है ।नक्षत्रों में रोहिणीमृगशिरा पुष्य,अनुराधा ज्येष्ठा, उत्तराषाढ़ा श्रवण, उत्तराभाद्रपद, रेवती और अश्विनी नक्षत्र को बेहद शुभ माना जाता है। इन नक्षत्रों में शपथ लेना लाभकारी होता है ।ज्योतिष के अनुसार,राजनेता अगर सोमवार, बुधवार, गुरुवार या शुक्रवार के दिन शपथ लेते हैं तो उनके कार्यकाल में परेशानियां कमआती हैं, लेकिन शपथ मंगलवार, शनिवार या रविवार के दिन ली जाए तो संघर्ष देखने को मिल सकता है, ज्योतिष के अनुसार, शुभ लग्न भी देखने जरूरी होते हैं. वृश्चिक, सिंह, वृषभ और कुंभ लग्नों में शपथ लेना शुभ होता है और इन लग्नों में शपथ लेने पर राजनेता को शासन करने में सहायता मिलती है. ये चार लग्न स्थिर लग्न माने जाते हैं ।साथियों बात अगर हम हैट्रिक सरकार 3.0 बैसाखियों के सहारे चलने की करें तो, 18वीं लोकसभा की सियासी तस्वीर करीब–करीब साफ हो चुकी है। हालांकि नतीजे चौंकाने वाले रहे, लेकिन भाजपा ने सहयोगियों के साथ सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि इस बार बदलाव ये होगा कि मोदी 3.0 सरकार इस बार सहयोगियों की बैसाखियों के सहारे चलेगी। वहीं, सहारे की सरकार चलाना टेढ़ी खीर साबित होने वाला है। क्योंकि मोदी 2.0 में जिन मुद्दों के सहारे हवा बना भाजपा चुनावों में उतरी थी, मोदी 3.0 में उन्हें सहयोगियों के सहारे जमीन पर उतारना कठिन साबित हो सकता है। इनमें वन इलेक्शन वन नेशन, यूनिफॉर्म सिविल कोड शामिल हैं, इन्हें भाजपा के संकल्प पत्र और मोदी की गारंटी में शामिल किया गया है। इसके अलावा भाजपा ने परिसीमन का काम चुनावों बाद शुरू करने का वादा किया था। इन मुद्दों को लेकर अब कहा जा रहा है कि इन्हें लागू करने को लेकर आने वाले समय में भाजपा की सहयोगियों के साथ खटपट हो सकती है। इस बार तीसरी बार सत्ता की सीढ़ी तक पहुंचने के लिए सहयोगियों की जरूरत होगी।

किशन सनमुख़दास भावनानी

चर्चाओं के बीच: अदाकारा सुगंधा शर्मा

गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) की अदाकारा सुगन्धा शर्मा मुंबई में इन दिनों लगातार काम कर रही है और इन दिनों बॉलीवुड में चर्चा का विषय बनी हुई है, इसकी खास वज़ह यह है कि अभिनेत्री सुगन्धा शर्मा की एक फिल्म जल्द ही फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जानेवाली है। यह एक महिला प्रधान फिल्म है। इससे पहले सुगन्धा ने विज्ञापन, म्यूजिक वीडियो और शॉर्ट्स फिल्मों में काम किया है। उनके आगामी प्रोजेक्ट्स का कार्य भी बहुत जल्द शुरू होने वाला है। सुगन्धा का फोकस अभी वेबसीरिज, धारावाहिक और फिल्मों में काम करने में अधिक है। उन्हें गार्डनिंग, पुराने गाने सुनने और फिल्में देखने का शौक है।

साथ ही उन्हें स्पिरिचुअल ट्रिप में जाना पसंद है, उनका मानना है कि ऐसी जगहों पर मन की एकाग्रता बढ़ती है और आत्मिक शांति का आभास होता है। दिग्गज अभिनेत्री रेखा से वह बेहद प्रभावित है। अभिनेत्री रेखा की फिल्म 'खून भारी मांग' और 'सिलसिला' सुगन्धा को अच्छी लगती है। उनका कहना है कि यदि मौका मिले तो वह ऐसे ही किरदार को पुन: जीवंत करना चाहेंगी। धारावाहिकों में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' और 'कसौटी जिंदगी की' इन्हें पसंद है खासकर सास बहू वाले सीरियल इन्हें अच्छे लगते हैं। सुगन्धा अपनी एक्टिंग को प्रभावशाली बनाने के लिए वर्कशॉप करती रहती है साथ ही इन्होंने रंगमंच और स्ट्रीट शो में भी अभिनय किया है। बॉलीवुड डांस करना इन्हें अच्छा लगता है।

एक महिला अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण अपने सपने पूरे नहीं कर पाती लेकिन यदि वह मन में ठान ले तो वह अपना सपना और जिम्मेदारी दोनों पूरा करने का सामर्थ रखती है।

प्रस्तुति:काली दास पाण्डेय

कंगना और इंदिरा दोनो ख़ालिस्तानी सोच की शिकार

पंकज कुमार मिश्रा, व्यंग्यकार / पत्रकार जौनपुर, यूपी

इंदिरा गांधी को गोली मारने वाले बेअंत सिंह का बेटा पंजाब से सांसद चुना गया ।जल्दी यह लड़की भी अमृतपाल की तरह पंजाब में सांसद विधायक बन जाएगी। लेकिन करणी सेना अब आपको कही दिखाई नहीं देगी क्योंकि कंगना रनौत बीजेपी में है। कंगना किसी और पार्टी में होती और अर्बन नक्सली समर्थक होती, मणिपुर की होती, देश तोड़ने की बातें करती तब उसके लिए सड़कों पर गृह युद्ध कर देते लेकिन अब कुछ नहीं होगा। फिर कह रहा हूँ, न्याय यात्रा और माणिपुर की लेडी के लिए न्याय मांगने वालों का दोहरा चरित्र समझ जाओ। पूछो आखिर क्या प्लान था बॉलीवुड के नचनिया गैवेये विशाल दादलानी के दिमाग़ में, क्यों बीते दिनों की बात पर थप्पड़ निकल आया। पीएम का काफिला भी रोका गया था। चंडीगढ़ में अभिनेत्री सांसद कंगना रानौत को सीआइएसएफ़ की महिला जवान ने थप्पड़ मारा और कहा कि टैक्टर आंदोलन में मेरी माँ भी बैठी थी। अर्थात् सुरक्षा के घेरे में तैनात लेडी के मन में कंगना को लेकर ऐसी कसक थी कि थप्पड़ जड़ दिया। याद हो तो 1984 में भी ऐसा ही कुछ हुआ था, किंतु उसका दायरा बड़ा था। लेकिन सुरक्षाकर्मी ही थे। थप्पड़ मार दिया। कतई नौकरी की चिंता नहीं की। नफरत कितनी भरी हुई थी। जबकि कंगना ने निजी उसकी माँ को नहीं कहा था। खैर इस थप्पड़ को अधिकतर सभी एंजॉय कर रहे है क्योंकि कंगना को मारा है। कौन कंगना, जो मुखर है बीजेपी से सांसद है। देश के प्रति सोच रखती है और मुद्दों पर राय व्यक्त करती है। बस ये बताएँ कि लोकतंत्र ख़तरे में है या सुरक्षित है !

इतना तय है कि पिछले 10 सालों में देश–विदेश में बैठें लोग बहुत बैचेन और गले तक नफरत भरकर बैठें है। उसी का परिणाम है थप्पड़ है। क़ानून ने ही क़ानून हाथ में ले लिया। 'मैं हिंसा सपोर्ट नहीं करता मगरज' कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली उस बदतमीज महिला कर्मी को सपोर्ट करने वाले नक्सली है जिसमें विशाल ददलानी भी शामिल है। नौकरी देने का वादा विशाल ददलानी ने किया है। कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली उस पागल महिलाकर्मी कुलविंदर कौर से ददलानी बेहद खुश है और कई पोस्ट इंस्टा स्टोरी शेयर की हैं। चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी चेक के दौरान कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ महिलाकर्मी को म्यूजिक डायरेक्टर विशाल ददलानी का सपोर्ट मिला है। थप्पड़ कांड के बाद कंगना रनौत ने स्टोरी शेयर करके शिकायत की थी कि किसी बॉलीवुड सेलेब्स ने उनका सपोर्ट नहीं किया, और अब उनके तो नहीं मगर उन्हें थप्पड़ मारने वाली बदमाश महिलाकर्मी को जरूर बॉलीवुड से समर्थन मिला है। लोकसभा चुनाव परिणाम 2024 पर विशाल ददलानी ने लिखा कि मैं कभी हिंसा का सपोर्ट नहीं करता हूं, लेकिन इस कर्मी के गुस्से को समझ रहा हूं। अगर थप्पड़ मारने वाली महिला के खिलाफ विभाग कोई एक्शन लेती है तो मैं ये सुनिश्चित करूंगा कि उसे नौकरी मिले। जय जवान जय किसान। अब मै कहता हूँ यदि कोई इस गँजे के सर पर ऐसे ही थप्पड मारे बाकी लोग नौकरी देने आगे आए तो इस दादलानी को कैसा लगेगा। 'करोड़ों मिलते तब भी इज्जत दांव पर न लगाता उधर 'लावारिस' में अमिताभ बच्चन के साड़ी पहनने पर राजेश खन्ना ने कसा था तंजकंगना का सपोर्ट करने वालों से विशाल ददलानी ने पूछे सवाल। विशाल ददलानी ने एक और स्टोरी शेयर की है और लिखा है, डंगना (कंगना) के सपोर्ट में जो भी हैं अगर उनसे ये कहा गया होता कि आपकी मां 100 रुपये में उपलब्ध हो जाती हैं तो आप क्या करते?

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस–पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन–प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.– 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक–युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

पेड़ कटाई पर चिपको आंदोलन की धमकी

- बृजेंद्र स्वरूप पार्क स्थित टीएसएच स्टेडियम में 80 से अधिक हरे भरे पेड काटने से नाराज इलाकाई नागरिक
- विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने किया वृक्षारोपण
- विकास कार्य के नाम पर कानपुर महानगर में काटे जा रहे बड़े बड़े पेड़

पेड़ कटाई को लेकर इस तरह से महिलाओं ने किया प्रदर्शन

महिलाएं बोली, ऐसा विकास नहीं चाहिए

-वट वृक्ष पूजन को पहुंची महिलाओं ने जताया विरोध

गुरूवार को वटवृक्ष पूजन को स्थानीय महिलाएं टीएसएच स्टेडियम स्थित वट वृक्ष पर पहुंची। यहां पर बताया गया कि लगातार पार्क विकास के नाम पर पेडों पर आरे चल रहे हैं। इसपर महिलाओं ने भी विरोध जताया। महिलाओं ने कहा कि ऐसा विकास किस काम का जिससे मानव समाज की आफत आ जाए। उन्होने बैनर पटिटयां पकडकर पेड काटने का पुरजोर विरोध जताया।

बीपीएस न्यूज

कानपुर। लगातार बढ़ रहे तापमान से लोग झुलसे जा रहे हैं। वहीं अनियोजित विकास के नाम पर लगातार शहरों में छायादार पेड़ काटे जा रहे हैं। शहर के बीचो बीच बृजेंद्र स्वरूप पार्क के पास निर्मित स्टेडियम में पेड़ों की कटाई चल रही है। इसका विरोध लगातार किया जा रहा है।

बुधवार को बीजेपी युवा के मोर्चा पूर्व जिला मंत्री हर्षित श्रीवास्तव लाला की अगुवाई में लोगों ने चिपको आंदोलन की धमकी दी। इसके बाद पार्क में पेड़ रोपे गए। मामले में उच्चाधिकारियों से शिकायत के बाद भी कोई एक्शन नहीं लिए जाने से स्थानीय नागरिक नाराज हैं। हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि टीएसएच स्टेडियम के बगल में खाली जमीन पर कुछ पेड लगे हुए हैं। इसको भी पार्क के नाम पर एमएचपीएल निजी कंपनी के द्वारा विकसित किया जा रहा है। इसके चलते करीब 80 पेड काटे जा रहे हैं। जब कि वह पेड किनारे साइड हैं उनको बचाया भी जा सकता है लेकिन कमीशनखोरी के चलते उच्चाधिकारी अनजान बने बैठे हैं। बताया कि मामले में कमिश्नर अमित गुप्ता को भी शिकायती पत्र दिया जा चुका है लेकिन इसके बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। यह हाल यह है अफसरों का, इससे साबित होता है उच्चाधिकारियों की मिलीभगत से शहर के आबोहवा के साथ खिलवाड किया जा रहा है। इस दौरान युवा मोर्चा के रोहित जायसवाल, पूर्व पार्षद बीरबल सिंह, पूर्व पार्षद श्याम कुमार, अभय सिंह, पप्पू कुमार, धीरज गुप्ता, अमन प्रधान, दीपू भारतीय, मंडल अध्यक्ष बृजेश सेठ, सूरज वर्मा, चंद्रकांत द्विवेदी, उदय कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जीवनदायी पेड़ों जगह यूकेलिप्टस, गुलमोहर और अन्य सजावटी पेड़ो ने ले ली है

वरिष्ठ संवाददाता - (हफ़ीज अहमद खान)

कानपुर। आप को लगेगा अजीब बकवास है, किन्तु यह सत्य है पिछले 68 सालों में पीपल, बरगद और नीम के पेडों को सरकारी स्तर पर लगाना बन्द किया गया हैज्पीपल कार्बन डाई ऑक्साइड का 100त्न एबजॉर्बर है, बरगद 80त्न और नीम 75 त्नज्इसके बदले लोगों ने विदेशी यूकेलिप्टस को लगाना शुरू कर दिया, जो जमीन को जल विहीन हर जगह यूकेलिप्टस, गुलमोहर और अन्य सजावटी पेड़ो ने ले ली है.अब जब वायुमण्डल में रिफ्रेशर ही नहीं रहेगा तो गर्मी तो बढ़ेगी ही, और जब गर्मी बढ़ेगी तो जल भाप बनकर उड़ेगा ही हर 500 मीटर की दूरी पर एक पीपल का पेड़ लगायें, तो आने वाले कुछ साल भर बाद प्रदूषण मुक्त भारत होगा वैसे आपको एक और जानकारी दे दी जाए पीपल के पत्ते का फलक अधिक और डंठल पतला होता है, जिसकी वजह शांत मौसम में भी पत्ते हिलते रहते हैं और स्वच्छ ऑक्सीजन देते रहते ह।

वैसे भी पीपल को वृक्षों का राजा कहते है..

इसकी वंदना में एक श्लोक देखिए-

मूलम् ब्रह्मा, त्वचा विष्णु, सखा शंकरमेवच।
पत्रे-पत्रेका सर्वदेवानाम, वृक्षराज नमस्तुते।।

अब करने योग्य कार्यज

इन जीवनदायी पेड़ों को ज्यादा से ज्यादा लगाने के लिए समाज में जागरूकता बढ़ायें.

हमारे पास हरा ग्रह है, तो हमारा भविष्य भी स्वच्छ होगा

हर वर्ष वृक्ष लगाने की ली शपथ

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर, दयानंद गर्ल्स पी जी कॉलेज कानपुर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस को बरेली से आयी एकेडमिक ,एडमिनिस्ट्रेटिव, और एनर्जी ऑडिट् टीम के सदस्य डॉ रमेश चंद्रा समन्वयक एनर्जी डॉ शालीन सिंह ऑडिटर विशेषज्ञ,डॉ दीपक सिंह ग्रीन एनवायरनमेंट एक्सपर्ट ,श्रीमती रजनी गंगवार ग्रीन आर्किटेड कॉलेज प्राचार्या ,आई क्यू ए सी /स्वावित्तपोषित निदेशक प्रो वंदना निगम ,साइंस एसोसिएशन की इंचार्ज प्रो सुनीता आर्या ,प्रो सुगंधा तिवारी, डॉ अर्चना दीक्षित, कार्यालय अधीक्षक श्री कृष्णेन्द्र श्रीवास्तव आदि द्वारा सिंदूर ,आम , नीम एवं पीपल का वृक्ष लगा कर सभी ने शपथ ली।

सभी के द्वारा शपथ ली गई कि प्रत्येक वर्ष पीपल ,नीम, बरगद आदि का वृक्ष लगायेंगे अपने छोटे छोटे कार्यों द्वारा प्रकृति द्वारा प्राप्त सभी अनमोल धरोहर का संरक्षण करेंगे। डॉ चंद्रा जी ने कहा कि हमारे पूर्वज हम सबको पृथ्वी पर प्राप्त धरोहर को विरासत में दे गये थे पर हम अपने बच्चों को क्या दे जाएँगे ।

हम सब को प्रकृति सरक्षण अति आवश्यक है ।आइए हम एकजुट होकर पेड़ लगाएं और पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं ।

अभी कार्य करें, और भविष्य बचाएं - पृथ्वी को फिर से हरा-भरा बनाएं ।यदि हमारे पास हरा ग्रह है, तो हमारा भविष्य भी स्वच्छ होगा । हमारी पृथ्वी हमारा भविष्य है, हम अपनी पीढ़ी की पुनर्स्थापना कर रहे हैं। प्रकृति को स्थिर रखें, जीवन को स्थिर रखें ।एक पृथ्वी, एक मौका - हमारे घर की रक्षा करें ।कम करें, पुन: प्रयास करें - एक हरित विश्व के लिए। स्वस्थ पृथ्वी, स्वस्थ आपकी मानवता ।पेड़ लगाओ, भविष्य बचाओ। पर्यावरण हमारा आध्यात्मिक मित्र है और हमें इसका ध्यान रखना चाहिए। यह समय की मांग है, हमें पृथ्वी को बचाने की जरूरत है।

पेड़ नहीं परिवार हैं जीवन का आधार है : डॉ एन के शर्मा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंता महाविद्यालय एवं वन्यजीव एवम पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित संस्था ऑर्गनाइजेशन फॉर कंजरवेशन ऑफ इन्वायरनमेंट एंड नेचर के संयुक्त तत्वाधान एवम कुलपति,कृषि विश्विद्यालय, कानपुर डॉ आनन्द कुमार सिंह के कुशल दिशा निर्देशन में कृषि महाविद्यालय के विशाल हरे भरे परिसर में सघन पौधा रोपण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपित किया गया।

इस अवसर पर कदंब, शीशम,आंवला आदि के पौधे परिसर में पूर्ण सुरक्षा एवम देखभाल के साथ रोपित किए गए। कृषि महाविद्यालय डॉ एन के शर्मा ने कहा कि,आज के समय के जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान को देखते हुए हर एक व्यक्ति को पौधा रोपण करना चाहिए साथ ही उस पौधे को अपना परिवार का प्रमुख सदस्य समझकर उसकी पूरी देखरेख भी करनी चाहिए। क्यों कि इनके बिना धरती पर जीवन की कल्पना ही नही की जा सकती है । डॉ आशीष त्रिपाठी ने कहा कि,पेड़ लगाना सिर्फ जरूरी ही नहीं बल्कि,अब हम सबकी मजबूरी भी है क्यों कि, विगत दिनों में राजधानी दिल्ली के 52 डिग्री तापमान ने चेतावनी दे दी है कि अब समय आ चुका है कि हम सबको मिलकर अनिवार्य रूप से प्रत्येक वर्ष प्रत्येक माह में एक पेड़ अवश्य ही लगाना होगा नहीं तो आने वाले कुछ ही वर्षों में गर्मी की स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। उन्होंने कहा कि,धरती पर सिर्फ पेड़ ही एक वह साधन मात्र है। आज बढ़ते तापमान से घरों में लगे एसी,कूलर भी फेल हो रहे है तो ऐसी गंभीर स्थिति में हमारी प्रकृति में यदि पेड़ पौधे और जीव जन्तु जीवित नहीं रहे तो यह भी तय है कि, इस धरती पर भविष्य में मानव का भी कोई अस्तित्व शेष नहीं बचेगा।

पौधा रोपण के अवसर पर प्रभारी सुरक्षा एम ए हुसैन, निदेशक शारीरिक शिक्षा सतेंद्र पाल,परीक्षा प्रभारी इं बर्जेश कुमार,प्रभारी हार्टिकल्चर इं सर्वेश वर्मा,ज्ञान सिंह,आयुष त्रिपाठी,असद अहमद,मनोज शर्मा सहित सभी कर्मचारी,स्टाफ एवम विभिन्न छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

स्टंटबाज पर 12 हजार का कटा चालान, मुकदमा दर्ज तलाश जारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गंगा बैराज पर एक बार फिर बाइक सवार स्टंटबाज का खतरनाक राइडिंग करते हुए वीडियो सामने आया है। स्टंटबाज तेज रफ्तार बाइक पर हैंडल छोड़कर खड़े होकर स्टंटबाजी कर रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद नवाबगंज थाने की पुलिस ने इसका संज्ञान लिया। इसके बाद स्टंटबाज के खिलाफ 12 हजार का चालान काटा और एफआईआर दर्ज की है। स्टंटबाज की तलाश में पुलिस छापेमारी भी कर रही है। गंगा बैराज पर स्टंटबाजी करते हुए शनिवार को एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें युवक बाइक पर खड़े होकर स्टंटबाजी कर रहा है। वीडियो वायरल होते ही कानपुर पुलिस ने इसका संज्ञान लिया है। एसीपी कर्नलगंज महेश कुमार ने बताया कि नवाबगंज पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया है। बाइक नंबर के आधार पर 12 हजार का चालान काटा गया है। इसके साथ ही बाइक सवार के खिलाफ नवाबगंज थाने में आईपीसी की धारा-336 के तहत एफआईआर भी दर्ज की जा रही है। बाइक नंबर के आधार पर सामने आया है कि बाइक सवार स्टंटबाज उन्नाव का रहने वाला है। नवाबगंज थाने की पुलिस युवक की तलाश में उसके बाइक नंबर पर रजिस्टर्ड पते पर दबिश दी, लेकिन वह गायब मिला। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। गंगा बैराज पर स्टंटबाजी का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी लगातार स्टंटबाजी के खतरनाक वीडियो सामने आए हैं। कई बार पुलिस ने अभियान चलाकर स्टंटबाजों के खिलाफ कार्रवाई की है ।लेकिन स्टंटबाजों पर लगाम नहीं लगा सकी है। जबकि गंगा बैराज पर कई बार दो पहिया और कार सवार स्टंटबाज कई लोगों की जान ले चुके हैं।

हेलमेट नहीं लगाओगे तो हम जैसा हो जाओगे, विकलांग एसोसिएशन ने निकाली यातायात जागरूकता रैली

बीपीएस न्यूज

कानपुर। विकलांग एसोसिएशन ने आज सड़क दुर्घटना रोकने के लिए विजय नगर चौराहे से यातायात जागरूकता रैली निकाली। जागरूकता रैली में दिव्यांगजन हांथो में तख्ती लिये हुए थे। जिसमें लिखा था। हेलमेट नहीं लगाओगे तो हम जैसा हो जावोगे, नशा करके गाड़ी चलाओगे - यम लोक पहुँच जावोगे, सुरक्षित जीवन का अर्थ है - सुरक्षा बिना सब ब्यर्थ है, जो बचाये अपना अंग सारि खुशियाँ उसके संग, मत करो इतनी मस्ती - जिन्दगी नहीं है सस्ती।

इस अवसर पर विकलांग एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि अधिकतर दुर्घटना बिना ड्राइविंग लाइसेंस के अनट्रेन्ड व्यक्तियों के वाहन चलाने, ओवरलोड सवारी ढोने, नशा करके वाहन चलाने, तेज गती से वाहन चलाने के कारण होती है। दुर्घटना करने वालों में बच्चों के साथ साथ शिक्षित पढे लिखे लोग भी शामिल है। ये लोग दुर्घटना करके खुद घायल होते हैं और दुसरों को घायल करके दिव्यांगता का शिकार बना देते हैं। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि मार्ग दुर्घटना रोकना केवल पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है सभी नागरिकों को भी अपनी स्वयं की सुरक्षा को लेकर जारूक होना चाहिए।

जागरूकता रैली में में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के अलावा जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, अल्पना कुमारी, गुड्डी दीक्षित, गौरव कुमार, अनुराधा गुप्ता, सीमा कुशवाहा, गोमती, याशमीन, सरला, त्रिप्ती खरे, राजेश कुमार शुक्ला, रोली शुक्ला, दिलीप कुमार, अर्जुन कुमार, रंजीत सिंह आदि शामिल थे।

नगर निगम कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधि मंडल नगर आयुक्त शिवशरप्पा जी.एन.से की मुलाकात

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधि मंडल नगर आयुक्त शिवशरप्पा जी.एन. से मुलाकात कर कहा कि संघ के प्रतिनिधि मंडल से हुई वार्ता लोकसभा चुनाव के बाद 4 जून को कर्मचारी समस्याओं का समाधान व आदेश निर्गत किए जाने का वादा किया गया था। नगर आयुक्त ने कहा कि अपर नगर आयुक्त आवेश खान चुनाव ड्यूटी से वापस आ जाए, सुबह ही समस्याओं के समाधान का आदेश निर्गत कर दिया जाएगा।संघ के नेताओं ने कहा कि विगत 1 साल से नगर आयुक्त द्वारा वादा पर वादा किया जा रहा है लेकिन समस्याओं का समाधान निस्तारण नहीं किया जा रहा है चाहे मृतक आश्रित की नियुक्ति, संविदा सफाई कर्मचारियों को महंगाई भत्ता दिए जाने एसीपी भुगतान का हो स्थाईकरण मेडिकल भुगतान, आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी एवं चालको वेतन वृद्धि एवं समय से भुगतान, निलंबित कर्मचारियों की बहाली, अचयनित संविदा सफाई कर्मचारियों की वेतन वृद्धि, लिपिक टंकण परीक्षा का परिणाम घोषित न किया जाना आदि समस्याओं का समाधान नगर आयुक्त द्वारा नहीं किया जा रहा है यदि उपरोक्त समस्याओं पर तत्काल आदेश जारी नहीं किया गया तो संघ को विवस होकर के आंदोलन करना पड़ेगा। इसमें धरना प्रदर्शन, घेराव, कार्यबंदी भी किया जा सकता है।प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से देवीदिन भाऊ अध्यक्ष, रमाकांत मिश्रा महामंत्री, नीलू निगम रामगोपाल चौधरी उपाध्यक्ष, मुन्ना हजारिया राजू पवन संयुक्त मंत्री, रामगोपाल समुदें, मुन्ना पहलवान, रवि, पंकज शुक्ला, वकील मसूद, दिनेश गुप्ता, राम सुंदर मौर्य आदि सैकड़ों लोग प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

किन्नर प्रकोष्ठ ने धूमधाम से मनाया सीएम योगी का जन्मोत्सव

बीपीएस न्यूज

कानपुर। किन्नर प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष काजल किरण के द्वारा हिंदू स्वाभिमान समारोह का आयोजन पंचायत घर सेन पश्चिम पारा कानपुर में धूमधाम से आयोजित किया गया इस मौके पर किन्नर प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष काजल किरण ने बताया कि लोक सन्यासी गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के 53 वें जन्मोत्सव पर उनके द्वारा विशाल भंडारा हवन पूजन एवं संतों का सम्मान किया जा रहा है कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि डॉ हरिओम पाठक प्रदेश अध्यक्ष धर्माचार्य प्रकोष्ठ एवं विधायक अभिजीत सिंह सांगा विधायक सरोज कुरील भाजपा जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति एवं प्रदेश प्रकोष्ठ के प्रभारी दिग्विजय सिंह राणा प्रदेश अध्यक्ष सोशल मीडिया गंगा सिंह कौशिक श्रीमती संतोष मिश्रा प्रवीण दुबे रुद्र कुमार पाठक आरसी योगा प्रवीण सिंह चंदेल एवं वार्ड 66 पार्षद अभिनव शुक्ला गोलू ने अपने विचार रखें। जन्मोत्सव पर आयोजित हिंदू स्वाभिमान समारोह में हिंदू एकजुटता पर बल दिया गया। अपने संबोधन में अध्यक्ष काजल किरण ने बताया कि वह निरंतर समाज के उत्थान की दिशा में कार्य कर रही है। इस दौरान समाजसेवी एवं एडवोकेट कमरुद्दीन शेख के द्वारा आए हुए भक्तों एवं राहगीरों को प्रसाद इत्यादि का वितरण कराया गया। विशाल भंडारे में हजारों की संख्या में क्षेत्रीय आम जनमानस एवं राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया इस दौरान काफी संख्या में नगर एवं प्रदेश से आए पदाधिकारी मौजूद रहे।

जिलाबदर अपराधी को तमन्चे के साथ नौबस्ता पुलिस ने किया गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस आयुक्त कानपुर नगर, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून/ व्यवस्था कानपुर नगर एवं पुलिस उपायुक्त दक्षिण के निर्देशन में अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण,सहायक पुलिस आयुक्त नौबस्ता के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नौबस्ता पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों के चेकिंग की जा रही थी कि सूचना प्राप्त हुई कि थाना नौबस्ता से जिलाबदर अपराधी जो कि हामिद चौराहे कबीर नगर मछरिया के पास काली टीसर्ट व जीन्स पहने खडा है जिसके पास नाजायज तमन्वा भी है इस सूचना पर उ0नि0 सद्दाम खान मय फोर्स के अभियुक्त अभिषेक जयसवाल पुत्र स्व0 बबलू जयसवाल उम्र 24 वर्ष निवासी म0न0 63 चन्दीपुरवा नौबस्ता कानपुर नगर को हामिद चौराहा कबीर नगर थाना नौबस्ता का0नगर से हिरासत पुलिस में लिया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

घटना का विवरण न्यायालय संयुक्त/अपर पुलिस आयुक्त (कानून एंव व्यवस्था)/ कार्यपालक मजिस्ट्रेट पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर के वाद संख्य 25/2024 संशोधित वाद संख्या 29/2024 सरकार बनाम अभिषेक जयसवाल धारा 3(1) यू0पी0 गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1970 थाना नौबस्ता कानपुर नगर के आदेश दिनांक 21/05/2024 के अनुक्रम में 03 माह के लिये जिला बदर घोषित है।गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता अभिषेक जयसवाल पुत्र स्वर) बबलू जयसवाल निवासी म0न0 63 चन्दीपुरवा नौबस्ता कानपुर नगर उम्र 24 वर्ष बरामदगी का विवरण: एक अदद देशी तमन्वा 12 बोर नाजायज व एक अदद जिन्दा कारतूस 12 बोर नाजायज !

बिकरू कांड की आरोपी मनु पांडे की संपत्ति सीज...

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चर्चित बिकरू कांड के बाद एनकाउंटर में मारे गए हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे के मामा प्रेम प्रकाश पांडे की पुत्रवधू पत्नी शशिकांत के कस्बा चौबेपुर स्थित घर की कुर्की गुरुवार को एसडीएम बिल्हौर रश्मि लंबा की मौजूदगी में थाना पुलिस द्वारा की गई। इस दौरान घर के अंदर कोई भी सामान पुलिस को नहीं मिला। बीते 2 जुलाई 2020 की रात बिकरू गांव में कुख्यात विकास दुबे और उसके साथियों द्वारा सी ओ समेत 8 पुलिस कर्मियों की उस समय गोली मारकर नृशंस हत्या कर दी गई थी, जब पुलिस टीम एक मामले को लेकर हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे के घर दबिश देने के लिए गई थी। घटना के अगली सुबह पुलिस ने विकास दुबे के रिश्ते में मामा गांव निवासी प्रेम प्रकाश पांडे का एनकाउंटर किया था। इस चर्चित कांड में सर्वाधिक ऑडियो प्रेम प्रकाश की बहू मनु पांडे के ही वायरल हुए थे। लेकिन तब पुलिस ने मनु के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी।

इस दौरान उसके खिलाफ चल रही विभिन्न विवेचनाओं के पश्चात गत 17 जुलाई 2023 को माती गैंगस्टर कोर्ट से पुलिस ने घटना में शामिल रही मनु के खिलाफ गैर जमाती वारंट हासिल किया था। वहीं 17 सितंबर 2023 को धारा 82 का आदेश भी पुलिस ने प्राप्त कर लिया था। इधर पुलिस द्वारा 14 मई 2024 को मनु की संपत्ति की कुर्की के आदेश प्राप्त किए जाते ही मनु कस्बा स्थित मकान में ताला बंद कर फरार हो गई थी। गुरुवार सुबह करीब 8:00 बजे एसडीएम बिल्हौर रश्मि लाम्बा की मौजूदगी में राजस्व कर्मी व थाना प्रभारी रविंद्र श्रीवास्तव पुलिस टीम के साथ थाने के ठीक सामने स्थित मनू पांडे के मकान पर पहुंचे और कुर्की की कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक रवींद्र श्रीवास्तव ने बताया कि जानकारी हो जाने से मनु घर का सारा सामान समेट कर पहले ही फरार हो गई। मकान को सीज कर दरवाजे पर नोटिस चस्पा कर दी गई है।

जांच टीम पहुंचते ही झोलाछाप डॉक्टर फरार

बंद क्लीनिक के बाहर खड़ी दिखी स्वास्थ्य विभाग की टीम

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के विकास खंड मलासा के बरौर क्षेत्र के गांव नेराकृपालपुर में संचालित एक झोलाछाप की क्लीनिक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होते ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मौके पर जांच के लिए टीम भेजी।

जिसकी भनक लगते ही झोलाछाप मौके से फरार हो गया। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।जानकारी के अनुसार बरौर के नेराकृपालपुर में विशाल बाल्मीकि क्लीनिक चलाता है। जहां वह लोगों को रंग बिरंगी गोली देकर जिंदगी से जमकर खिलवाड़ कर रहा था। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिससे हरकत में आई कानपुर देहात पुलिस ने जांच सीओ डेरापुर को सौप दी। वहीं दूसरी ओर एसीएमओ के निर्देश पर एक टीम का गठन किया गया। टीम के पहुंचने से पहले ही झोलाछाप क्लीनिक बंद कर भाग गया। जांच करने गए देवीपुर सीएचसी प्रभारी डाक्टर विकास कुमार ने बताया कि टीम पहुंचने से पहले वह क्लीनिक बंद कर फरार हो गया है।

पति के सीने पर बैठी पत्नी, प्रेमी ने काटी गर्दन

7 साल की मासूम ने खोला हत्या का राज तो मची सनसनी

उन्नाव मर्डर केस की क्राइम पेट्रोल सीरियल जैसी कहानी

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में क्राइम पेट्रोल सीरियल जैसी कहानी हुई। पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी. घटना वाली रात पति सो रहा था. तभी पत्नी उसके सीने पर बैठ गई. पत्नी ने अपने सोते हुए पति के दोनों हाथ पकड़े और प्रेमी ने फरसे से कई बार गर्दन पर वार किया, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई.घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. शक से बचने के लिए पति की हत्या की सूचना पत्नी ने सुबह पांच बजे पुलिस को खुद ही दी थी. लेकिन पुलिस ने जब सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया.पुलिस के मुताबिक, युवती का प्रेम-प्रसंग युवक के साथ 3 साल पहले शुरू हुआ था. प्रेमी गांव के ही एक डॉक्टर के यहां काम करता था, उसी दौरान युवती इलाज के लिए उसी डॉक्टर की क्लीनिक पर जाती थी. इसी दौरान दोनों क्लीनिक पर एक दूसरे से मिले, जिससे उनमें पहले दोस्ती और फिर प्यार हो गया.दोनों के प्यार में मुश्किल इसलिए आई क्योंकि युवती पहले से ही शादीशुदा थी. युवती और संजय एक दूसरे से शादी करना चाहते थे. उन्होंने अपने रास्ते का कांटा युवती के पति बेचेलाल की हत्या करने का फैसला लिया. दोनों मौका तलाशने में जुटे हुए थे. एक दिन मृतक का भाई शहर से दूर था और पिता खेत में गया हुआ था. युवती ने इसकी जानकारी प्रेमी संजय को दी. पति खाना खाकर छत पर सो रहा था, तभी उसकी हत्या कर दी गई.

7 साल की बेटी ने बताई सारी घटना तो खुल गया राज

बताया गया कि जिस समय आरोपी मृतक की हत्या कर रहे थे उस समय 7 साल की नेहा वहीं चारपाई पर सो रही थी. उसने घटना वाली रात की सारी चीजें देख ली थी. जब पुलिस जांच के लिए घर आई तो उसने सबकुछ खुलकर बता दिया. पुलिस ने शक के आधार पर युवती को हिरासत में लिया और कड़ाई से पूछताछ की. पूछताछ में युवती ने अपने कुकृत्य की सारी बातें स्वीकार कर ली. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है

इस्तीफा देने का दबाव या होगा कोई बदलाव, बीजेपी के सभी मुख्यमंत्रियों को दिल्ली क्यों बुलाया गया?

बीजेपी ने अपने शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को दिल्ली बुलाया है। 7 जून को बीजेपी हेडक्वार्टर में सभी मुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं की बड़ी बैठक होनी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा जिन राज्यों में करारी हार का सामना करना पड़ा है इसको लेकर भी मंथन होगा। उत्तर प्रदेश से भाजपा को सबसे बड़ा झटका मिला है। जिसके बाद चर्चा तेज है कि यूपी में मिली करारी शिकस्त का ठीकरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर फोड़ा जा सकता है। ऐसे में क्या अब सीएम योगी पर इस्तीफा देने का दवाब बनाया जाएगा? इसके अलावा दूसरा राज्य राजस्थान है जहां बीजेपी का

प्रदर्शन खराब रहा है। प्रचार के दौरान अमित शाह ने एक रैली में नेताओं से कहा था कि अगर उनके इलाके में पार्टी कमजोर हुई तो खामियाजा भुगतना पड़ेगा। ऐसे में क्या ये खामियाजा राजस्थान के मुख्यमंत्री को भी भुगतना पड़ सकता है। सीएम भजन लाल के घर भरतपुर से भी बीजेपी को हार मिली है। कहा जा रहा है कि वो अपना क्षेत्र भी नहीं संभाल सके। महाराष्ट्र में महाविकास आघाडी के 30 सीटें जीतने पर बीजेपी चिंता की मुद्रा में आ गई है। राज्य में बीजेपी के सबसे बड़े नेता देवेंद्र फडणवीस ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश की है। हालांकि बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखकर बावनकुले और सीएम एकनाथ शिंदे ने उनकी इस पेशकश को खारिज किया है। नतीजे के 24 घंटे के भीतर ही फडणवीस ने सबसे पहले इस्तीफे की पेशकश कर दी थी। दरअसल, अक्टूबर-नवंबर महीने में राज्य में 288 सदस्यों वाली विधानसभा के चुनाव होने हैं। पार्टी के कार्यकर्ताओं में जोश बरकरार रखने के लिए बीजेपी को नई रणनीति से काम करना होगा। जिस दिन शपथ ग्रहण समारोह हो उस दिन सभी लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा बीजेपी की कवायद ये रहती है कि पूरी पार्टी एकजुट दिखनी चाहिए। एनडीए की संसदीय दल की बैठक से पहले बीजेपी के संसदीय दल की बैठक होगी। बैठक में भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शामिल रहते हैं। साल 2014 में नरेंद्र मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने दिल्ली आए थे। उससे पहले उन्होंने बीजेपी संसदीय दल की बैठक में हिस्सा लिया था। इसमें तमाम बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री शामिल हुए थे। वहां पर उन्होंने कहा था कि उन्हें जो कमान पार्टी की तरफ से मिली है उसके लिए वो तत्पर हैं। बैठक में देशभर में लोकसभा चुनाव को लेकर जो नतीजे आए हैं, उसको लेकर फीडबैक लिया जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी की सीटें कम क्यों हुई हैं। उत्तरप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र में अपने प्रदर्शन को दोहराने में बीजेपी नाकामयाब हो गई।

दिल्ली की सातों सीट पर बीजेपी की जीत! आप बोली- जीते नहीं लेकिन कांटे की टक्कर दी

भाजपा दिल्ली में अपना 2019 का प्रदर्शन दोहराने के लिए तैयार है, क्योंकि भगवा पार्टी मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी की सभी सातों लोकसभा सीटों पर आरामदायक अंतर से आगे चल रही है। लोकसभा चुनावों में लगातार हार का सामना कर रही सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि उनके उम्मीदवारों ने दिल्ली में भाजपा को कड़ी टक्कर दी और लोगों ने भगवा पार्टी की नफरत और तानाशाही की राजनीति के खिलाफ वोट दिया है।

आप के दिल्ली राज्य संयोजक गोपाल राय ने एक बयान में कहा, हमने विपरीत परिस्थितियों में चुनाव लड़ा। पंजाब में सांसदों की संख्या बढ़ेगी। दिल्ली में हमने भाजपा को कड़ी टक्कर दी और इस बार (2019 की तुलना में) अंतर कम है। सीट बंटवारे के फॉर्मूले के अनुसार, आप ने चार सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी की तीन सीटों पर मैदान में थी।

इस बीच, समाचार एजेंसी के हवाले से उन्होंने कहा आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि चुनाव के नतीजों से पता चलता है कि लोग बीजेपी के 10 साल के शासन से थक चुके हैं और उन्हें हटाना चाहते हैं। उन्होंने कहा वे महंगाई से थक चुके हैं। यह भारत के लोकतंत्र की खूबसूरती है कि लोगों ने बीजेपी को वापस जाने के लिए कहा है।

ताजा रुझानों से पता चलता है कि बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 12 सीटें जीती हैं और इस खबर को लिखे जाने तक 283 अन्य सीटों पर आगे चल रहा है। दिल्ली में, बीजेपी सभी सात सीटों पर जीत हासिल करने की ओर अग्रसर है।

बीजेपी के चुनावी प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, परिणाम बीजेपी और उसकी नफरत और तानाशाही की राजनीति के लिए एक बड़ा सबक है। अगर प्रधानमंत्री में थोड़ी भी नैतिकता है तो उन्हें 400 पार का नारा देने के लिए पद छोड़ देना चाहिए। चुनाव आयोग के ताजा रुझानों के अनुसार, आप ने पंजाब में तीन लोकसभा सीटें जीती हैं। विपक्षी दल भारत की भावी रणनीति के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि गठबंधन के नेता जल्द ही बैठक करेंगे और भावी रणनीति के बारे में फैसला करेंगे।

बैठक में पीएम मोदी से बोले नीतीश, सरकार बनाने में देरी नहीं होनी चाहिए, तेजस्वी ने बिहार के सीएम को बता दिया किंगमेकर

भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के दल बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। सूत्रों ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सरकार गठन की प्रक्रिया में तेजी लाना चाहते हैं और चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी तेजी से काम करें। एनडीए बैठक के दौरान उन्होंने पीएम से कहा, जल्दी कीजिए। सूत्रों ने लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद आज दिल्ली में आयोजित एनडीए गठबंधन सहयोगियों की बैठक में नीतीश कुमार के हवाले से कहा, सरकार बनाने में देरी नहीं होनी चाहिए। हमें इसे यथाशीघ्र करना चाहिए।

वहीं, इंडिया गठबंधन में शामिल राजद के नेता तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को किंगमेकर बता दिया। उन्होंने कहा कि एनडीए के पास संख्याबल है लेकिन हम चाहते हैं कि जो सरकार बनेगी वह बिहार का ख्याल रखे और यह सुनिश्चित करे कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलेज्नीतीश कुमार के लिए यह अच्छा मौका है अगर वह किंगमेकर हैं तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिले। पूरे देश में विशेष दर्जा और जाति आधारित जनगणना कराएं।

तेजस्वी ने कहा कि पहली बार हमने देखा है कि पीएम मोदी का जादू खत्म हो गया है और वह बहुमत से काफी दूर हैं। वह अपने दो सहयोगियों के बिना सरकार नहीं चला पाएंगे। बैठक में नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जेडीयू नेता लल्लन सिंह और संजय झा शामिल थे। सभी की निगाहें जेडीयू, टीडीपी और पवन कल्याण की जनसेना पर थीं, जो सरकार गठन में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, सज्जाद लोन, नाम कई अंजाम वही, लोकसभा चुनाव में गुपकार गैंग को लोगों ने नकारा

जम्मू कश्मीर के इतिहास में एक बड़े चुनावी उलटफेरके तहत पूर्व विधायक शेख अब्दुल राशिद उर्फ इंजीनियर राशिद ने बारामूला लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से बहुत बड़ी बढ़त बना ली है। इसी तरह, पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र में मतगणना में काफी पीछे हैं तथा नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी ने निर्णायक बढ़त बना ली है। अवैध गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद राशिद ने इस केंद्रशासित प्रदेश में लोकसभा चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वियों को धूल चटा दी है। उनके प्रतिद्वंद्वियों में पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सजाद गनी लोन शामिल भी हैं जो अब्दुल्ला के बाद तीसरे नंबर पर हैं।

पूर्व विधायक राशिद (52) को 2019 में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कुपवाड़ा से गिरफ्तार किया गया और उन्हें यूएपीए के तहत आरोपित किया गया था। वह इस आतंकवाद विरोधी कानून के तहत गिरफ्तार किये जाने वाले मुख्यधारा की राजनीति के

पहले नेता हैं। वह पहली बार 2008 में लांगेट निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा के लिए चुने गये थे और 2014 में फिर निर्वाचित हुए थे। निर्वाचन आयोग के बारामूला लोकसभा सीट संबंधी आंकड़े के अनुसार अब केवल डेढ़ लाख मतों की गिनती बाकी रह गयी है। निर्दलीय प्रत्याशी राशिद 1.84 लाख से अधिक मतों के अंतर से अब्दुल्ला से बढ़त बना ली है।

पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने भी अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर अपनी हार मान ली। मुफ्ती ने एक बजकर 58 मिनट पर एक्स पर पोस्ट किया कि जनादेश का सम्मान करते हुए मैं पीडीपी कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को इतनी विषम परिस्थितियों के बावजूद उनके कठिन परिश्रम एवं समर्थन को लेकर बधाई देती हूं। जिन लोगों ने मुझे वोट दिया, उन्हें मेरा हार्दिक आभार। जीतना एवं हारना खेल का हिस्सा है तथा हमें अपने मार्ग से नहीं डिगा पायेगा। बारामुला लोकसभा सीट पर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन तीसरे स्थान पर चल रहे हैं। वहीं अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे विश्वास नहीं है कि उनकी जीत से जेल से उनकी जल्द रिहाई हो पायेगी और न ही उत्तरी कश्मीर के लोगों को प्रतिनिधित्व मिल पायेगा जिसका उन्हें अधिकार है लेकिन मतदाताओं ने अपनी आवाज बुलंद की है और लोकतंत्र में यही है जो मायने रखता है।

सरकार बनाने की कवायद तेज, नरेंद्र मोदी को चुना गया NDA संसदीय दल का नेता, प्रस्ताव भी पास, 7 जून को हुई बड़ी बैठक

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी सदस्यों ने गठबंधन नेता के रूप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को अपना समर्थन दिया है।

यह घटनाक्रम अगली सरकार के गठन पर चर्चा के लिए लोकसभा चुनाव नतीजों के एक दिन बाद 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधान मंत्री के आवास पर हुई एनडीए की एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद आया है। प्रधानमंत्री आवास पर एनडीए सहयोगियों की बैठक में बिहार के सीएम और जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के चंद्रबाबू नायडू, लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के चिराग पासवान, राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के जयंत चौधरी, एचडी कुमारस्वामी, जीतन राम मांझी, अनुप्रिया पटेल, एकनाथ शिंदे के अलावा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और अन्य शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि 7 जून को एनडीए सांसदों के साथ बैठक के बाद एनडीए के सहयोगी दल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा मिलकर सहयोगी दलों के साथ सरकार गठन पर चर्चा करेंगे। जदयू सांसद संजय कुमार झा ने कहा कि पीएम आवास पर एनडीए की बैठक हुई, जिसमें सीएम (नीतीश कुमार) भी शामिल हुए। सभी ने अपने विचार रखे और एनडीए को तीसरी बार मिले जनादेश के लिए जनता को धन्यवाद दिया। जल्द ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और जल्द ही सभी सांसदों की बैठक होगी। एनडीए की बैठक में जो प्रस्ताव पास किया गया है उसमें कहा गया है कि भारत के 140 करोड़ देशवासियों ने पिछले 10 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से देश को हर क्षेत्र में विकसित होते देखा है। बहुत लंबे अंतराल, लगभग 6 दशक के बाद भारत की जनता ने लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से सशक्त नेतृत्व को चुना है। इसमें कहा गया कि हम सभी को गर्व है कि 2024 का लोकसभा चुनाव एनडीए ने आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एकजुटता से लड़ा और जीता। हम सभी एनडीए के नेता आदरणीय नरेंद्र मोदी जी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुनते हैं। इसमें कहा गया है कि मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार भारत के गरीब-महिला-युवा-किसान और शोषित, वंचित व पीड़ित नागरिकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अगर मोदी प्रधानमंत्री बने तो मैं अपना सिर मुंडवा लूंगा: सोमनाथ भारती

आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सोमनाथ भारती ने शनिवार को कहा कि यदि नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते हैं तो वह अपना सिर मुंडवा लेंगे। इस बीच, पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि इस बार 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) केंद्र में एक मजबूत और स्थिर सरकार बनाएगा।

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद शनिवार को आए कई एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में प्रधानमंत्री मोदी के लगातार तीसरी बार सत्ता में बने रहने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है।

नई दिल्ली लोकसभा सीट से आप उम्मीदवार भारती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर की गई पोस्ट में कहा कि चार जून को लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद सारे एग्जिट पोल गलत साबित होंगे।

भारती ने कहा, अगर मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने तो मैं अपना सिर मुंडवा लूंगा। मेरी बात याद रखना। चार जून को सभी एग्जिट पोल गलत साबित होंगे और मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे। उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन इंडिया को दिल्ली की सभी सात सीट पर जीत हासिल होगी।

मोदी के डर के कारण एग्जिट पोल उन्हें हारते हुए नहीं दिखा रहे हैं। इसलिए हम सभी को 4 जून को आने वाले वास्तविक नतीजों का इंतजार करना होगा। लोगों ने भाजपा के खिलाफ भारी मतदान किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर इंडिया के नेताओं की बैठक के बाद केजरीवाल ने दावा किया कि लोगों से मिली प्रतिक्रिया के मुताबिक विपक्षी गठबंधन 295 से अधिक सीटों पर विजयी रहेगा।

उन्होंने कहा, इंडिया एक मजबूत और स्थिर सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि भाजपा को केवल 220 सीटें मिलेंगी जबकि राजग को 235 सीटें मिलेंगी।

उत्तर प्रदेश की 20 सीटों पर बीजेपी को इंडिया गठबंधन से मिली कड़ी टक्कर

वर्तमान में एनडीए के पास जो 20 निर्वाचन क्षेत्र हैं और जहां उसे इंडिया गुट से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं- अयोध्या, चंदौली, बांसगांव, खीरी, प्रतापगढ़, कैराना, अलीगढ़, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, पीलीभीत, मोहनलालगंज, अमेठी, कन्नौज, कौशांबी, इलाहबाद, बाराबंकी, बस्ती, संत कबीर नगर, आज़मगढ़ और बदायूँ। शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त हो गया। उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य फोकस में से एक है। यूपी में नतीजे एनडीए की वापसी के लिए भाजपा द्वारा निर्धारित 400 पार लक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इसके कारणों में मौजूदा सांसदों के खिलाफ स्थानीय भावनाएं, जातिगत समीकरण और विपक्षी भारतीय गुट के उम्मीदवारों की पसंद शामिल हैं। वर्तमान में एनडीए के पास जो 20 निर्वाचन क्षेत्र हैं और जहां उसे इंडिया गुट से कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं-अयोध्या, चंदौली, बांसगांव, खीरी, प्रतापगढ़, कैराना, अलीगढ़, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, पीलीभीत, मोहनलालगंज, अमेठी, कन्नौज, कौशांबी, इलाहबाद, बाराबंकी, बस्ती, संत कबीर नगर, आज़मगढ़ और बदायूँ। इन निर्वाचन क्षेत्रों में से सत्तारूढ़ गठबंधन ने पीलीभीत, बाराबंकी, फिरोजाबाद, इलाहाबाद, रॉबर्ट्सगंज और बदायूं में अपने उम्मीदवार बदल दिए। स्थानीय भाजपा नेताओं के अनुसार, अयोध्या, अमेठी, खीरी, आज़मगढ़, कौशांबी, फ़तेहपुर सीकरी और प्रतापगढ़ जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों को अपने स्वयं के कार्यकर्ताओं से भी निपटना पड़ा है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा, कन्नौज, आज़मगढ़, बदांयू, ग़ाज़ीपुर और घोसी जैसी लगभग 11 सीटों पर हमारी कड़ी लड़ाई है, लेकिन हम विजयी होंगे। तीन से चार राउंड की गिनती (परिणाम वाले दिन) से तस्वीर साफ हो जाएगी। इनमें से अधिकांश सांसदों के खिलाफ सबसे आम शिकायत यह है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र में उतने दिखाई नहीं देते जितने मतदाता और कार्यकर्ता चाहते थे या जिला मुख्यालय से बाहर नहीं निकलते थे और केवल स्थानीय प्रशासन से मिलते थे। कुछ भाजपा नेताओं ने शिकायत की।

यूपी में 'यूपी के लड़कों' ने डबल इंजन को नुकसान पहुंचाया, जानिए कैसे भाजपा की बढ़ाई मुश्किलें

उत्तर प्रदेश में इंडिया ब्लॉक की ओर से नतीजों के दिन एक बड़ा सरप्राइज आया है। शुरुआती बढ़त से पता चलता है कि इंडिया ब्लॉक ने उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के खिलाफ उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से, समाजवादी पार्टी–कांग्रेस गठबंधन को 41 सीटों पर शुरुआती बढ़त मिली है। शुरुआती रुझान मुस्लिम–यादव और ओबीसी वोटों के एकीकरण का नतीजा हो सकते हैं।एकीकरण के अलावा, नौकरियों और अग्निवीर योजना को लेकर राजपूत समुदाय और युवाओं का गुस्सा इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों के लिए जीत में अहम भूमिका निभा सकता है। शुरुआती रुझान चौंकाने वाले हैं क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पास पांच और कांग्रेस के पास सिर्फ एक सीट थी।उत्तर प्रदेश एक महत्वपूर्ण राज्य है, जो सबसे ज्यादा सांसदों को लोकसभा में भेजता है। इसलिए अक्सर कहा जाता है कि दिल्ली का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है।

2024 के लोकसभा चुनाव के शुरुआती नतीजों में पश्चिमी यूपी की 29 सीटों पर समाजवादी पार्टी–कांग्रेस गठबंधन हावी दिख रहा है। एनडीए ने 2019 में इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन किया था और बेहतर नतीजों के लिए 2024 के आम चुनाव में जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के साथ गठबंधन किया था।अगर शुरुआती रुझानों पर गौर करें तो समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस के राहुल गांधी की चुनावी रैलियों ने वोटों को मजबूत करने का काम किया है। यह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए झटका हो सकता है, जिन्होंने राज्य की 80 में से ज़्यादातर सीटें एनडीए को दिलाने का वादा किया था।

टीडीपी और नीतीश कुमार के पैर पकड़ने होंगे, चुनाव परिणाम पर बोलीं ममता, लोगों की राय से मैं खुश हूं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने बहुमत का आंकड़ा हासिल नहीं किया। प्रधानमंत्री अपनी साख खो चुके हैं, उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उन्होंने कहा था कि इस बार 400 पार। मैने आपसे कहा था कि 200 पार भी होगा या नहीं पता नहीं। अब उन्हें टीडीपी और नीतीश कुमार के पैर पकड़ने होंगे।अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) पार्टी – जिसे टीएमसी के नाम से भी जाना जाता है – ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनावों में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की, जैसा कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पोर्टल, results.eci.go1 के आंकड़ों से पता चला है। शाम 5¬35 बजे तक, टीएमसी राज्य के 42 संसदीय क्षेत्रों में से 29 पर आगे थी, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 12 और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) सिर्फ एक में आगे थी।

मैंने हर गांव में जाकर काम किया

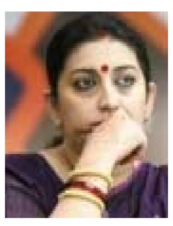

लखनऊ। लोकसभा चुनाव–2024 में बीजेपी को उत्तर प्रदेश में बड़ा झटका लगा है. कई दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा है. इसी कड़ी में स्मृति ईरानी का भी नाम है. वो अमेठी से पार्टी की प्रत्याशी थीं. कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा ने हराया है. इस जीत को शर्मा ने गांधी परिवार और अमेठी की जनता की जीत करार दिया है. वहीं, हार का सामना करने के बाद स्मृति ईरानी का भी बयान आया है.स्मृति ईरानी ने कहा, मुझे लगता है कि आज जनता का आभार व्यक्त करने का दिन है, जो जीते उन्हें बधाई देने का दिन है. संगठन का स्वभाव विश्लेषण करने का है और संगठन विश्लेषण करेगा. एक जनप्रतिनिधि के नाते यह मेरा सौभाग्य रहा कि मैंने हर गांव में जाकर काम किया. हार या जीत के बावजूद मैं लोगों से जुड़ी और यह मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य है.

किशोरी भैया, मुझे यकीन था कि आप जीतोगे: प्रियंका गांधी

उधर, किशोरी लाल शर्मा की जीत पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है. इसमें उन्होंने कहा है, किशोरी भैया, मुझे कभी कोई शक नहीं था, मुझे शुरू से यकीन था कि आप जीतोगे. आपको और अमेठी के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई.

चुनावी नतीजों के बीच शेयर बाजार में भारी गिरावट दिखी

अडानी और अंबानी को काफी चपत लगी है। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा नुकसान बीजेपी को हुआ है

बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। चुनाव नतीजों के दिन सुबह नौ बजे के रुझान आते ही भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई. स्थानीय शेयर बाजारों में यह भारी गिरावट तब आई जब शुरुआती रुझानों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को बढ़त मिलते दिख रही थी.

हालांकि, बाद के रुझानों में विपक्षी दल इंडिया के गठबंधन वाले ब्लॉक की सीटों की संख्या एग्जिट पोल के अनुमान से कहीं आगे निकलती दिखाई दी. उसका असर शेयर बाजार में दिखा। लोग पल पल अपडेट के लिए टीवी और मोबाइल से जुड़े रहे।अग्रणी सूचकांक, बीएई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50 सोमवार को 3 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के बाद मंगलवार को 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ खुले. बिकवाली का दबाव जल्द ही बढ़ गया और दो सूचकांक 3.5 प्रतिशत तक गिर गए. मंगलवार को सेंसेक्स 73,659 और निफ्टी 21, 179 के निचले स्तर पर पहुंच गया.सूचकांक में सबसे अधिक बढ़त रखने वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज में 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई, जबकि अडानी ग्रुप के शेयरों में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई.

- कन्नौज में चौथी जीत के बाद बोले अखिलेश, घमंडिया सरकार की हुई हार, जनता का मिला भरपूर लाड़।
- पत्नी डिंपल की भी हार का लिया बदला, बोले कन्नौज की जनता ने बचाया है सपा का गढ़।

कन्नौज से 17 वें सांसद होंगे अखिलेश यादव

अखिलेश को 1 लाख से अधिक वोटों की बढ़त

कन्नौज लोकसभा सीट के लिये 13 राउंड की मतगणना पूरी होने के बाद अखिलेश यादव 102726 वोटों की लीड बनाई। सपा को 390059, बीजेपी के पाठक को 287330, बीएसपी के इमरान को 45079 वोट मिले।

बीपीएस न्यूज

कन्नौज। अपने ढहते हुये गढ़ को आखिर बचाने में सपा मुखिया अखिलेश यादव कामयाब हो ही गये। शानदार जीत के साथ ही अखिलेश ने बीते साल 2014 में मोदी लहर के कारण 12 हजार से कुछ अधिक मतों से हारी अपनी पत्नी डिंपल यादव की हार का बदला भी विपक्षी प्रत्याशी से ले लिया। साल 2024 के इस चुनाव में कन्नौज लोकसभा से अपनी जीत का श्रेय अखिलेश नई कन्नौज लोकसभा की जनता को देते हुये आभार जताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत हमसे पहले कन्नौज की जनता जनार्दन की है, जिसने घमंडिया और झूठी सरकार को सिरे से खारिज कर दिया है।बताते चलें कि, साल 1967 से कन्नौज लोकसभा सीट के गठन होने के साथ ही डा. राममनोहर लोहिया के पहले सांसद बनने से यहां की शुरुआत हुई थी।इसके बाद 1971 में सत्य नारायण मिश्रा, 1977 में रामप्रकाश त्रिपाठी, 1980 में छोटे सिंह यादव, 1984 में शीला दीक्षित, 1989 और 1991में छोटे सिंह यादव, 1996 में चंद्र भूषण सिंह, के बाद यहां कन्नौज लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी की विजय पताका फहराने की शुरुआत हुई थी।साल 1998 में सपा के प्रत्याशी प्रदीप यादव यहां से अपना पहला लोकसभा चुनाव जीते थे। इसके बाद से सपा की जीत का सिलसिला नहीं बल्कि मजबूत गढ़ बनने की शुरुआत हुई। सिलसिला आगे बढ़ाया सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने। साल 1999 में कन्नौज से चुनाव जीता और साल 2000 में अपने बेटे अखिलेश यादव को यहां की बागडोर सौंप दी।

कन्नौज की जनता ने भी अखिलेश को हाथों हांथ लिया

साल 2004 आए 2009 में लगातार सांसद का मुकुट पहनाया गया था। साल 2012 में उपचुनाव में भी अखिलेश की पत्नी डिंपल ने कन्नौज की बागडोर संभाली तो जनता का भरपूर प्यार उन्हें भी मिला। सांसद बनने के बाद डिंपल एक बार फिर साल 2014 के चुनाव में भी कन्नौज की सांसद चुनी गईं।

एक मजबूत किला बनकर खड़ा हुआ कन्नौज आखिर सपा का गढ़ कहा जाने लगा। लेकिन साल 2019 के चुनाव में मोदी लहर के चलते सपा के मजबूत किले में दरार आनी शुरू हो गई।

लोकसभा के इस चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी सुब्रत पाठक ने डिंपल यादव को 12 हजार से कुछ अधिक मतों से शिकस्त दे दी। आखिर अखिलेश यादव ने अपनी पत्नी की हार को चुनौती के रूप में स्वीकार किया। अपने ढहते हुये गढ़ कन्नौज को बचाने और अपनी पत्नी डिंपल की हार का बदला लेने को अखिलेश ने आखिर इस वर्ष 2024 के चुनाव में खुद मैदान में उतर कर ताल ठोक दी। खास बात तो यह रही कि चुनाव में कन्नौज लोकसभा की जनता जिसमें कानपुर देहात की रसूलाबाद, औरैया की बिधूना, एयर कन्नौज की तिर्वा,छिबरामऊ, सहित कन्नौज सदर की जनता का अखिलेश को बढ़ चढ़ कार आशीर्वाद मिला।लोकसभा चुनाव की 4 जून मंगलवार की सुबह काउंटिंग का दौर क्या शुरू हुआ, पोस्टल बैलेट से ही अखिलेश की जीत की बढ़त का सिलसिला सूरज चढ़ने के साथ ही शुरू हो गया।11 राउंड की मतगणना होने तक सपा के अखिलेश यादव को 2,43,519 वोट, बीजेपी के सुब्रत पाठक को 170707 वोट, जबकि बीएसपी प्रत्याशी इमरान बिन जफर को 26702 वोट मिले थे। वहीं दोपहर ढाई बजे तक अखिलेश यादव अपने प्रतिद्वंदियों से 89030 वोटों से आगे चल रहे थे। यह आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। अखिलेश यादव ने स्वयं जमीन पर उतर कर मेहनत की। वहीं, बीजेपी प्रत्याशी सुब्रत पाठक ओवर कॉन्फिडेंस और पार्टी नेतृत्व के भरोसे मात खा गए।

कुछ न कहकर भी नीतीश ने सबके सामने रख दी अपनी डिमांड लिस्ट और मुस्कुराते रह गए पीएम मोदी

इशारों इशारों में दिल लेने वाले, बता ये हुनर तूने सीखा कहां से.. यूं तो ये एक बॉलीवुड फिल्म का लोकप्रिय गीत है लेकिन कई बार ये राजनीति में भी फिट बैठ जाता है. अब देखिए ना देश में इस समय नई सरकार बनाने की कवायद चल रही है. इसी कड़ी में संसद भवन में एनडीए संसदीय दल की बैठक हुई. इस बैठक में एनडीए के घटक दल के नेता शामिल हुए.

सबकी निगाहें नीतीश के भाषण पर भी टिकी थीं. वही हुआ भी.. अपने मजाकिया और मजेदार भाषण में नीतीश ने यह कंफर्म किया कि वे पूरी तरह से मोदी के साथ हैं और डटकर उनके साथ रहेंगे. लेकिन इसी बीच उन्होंने बिहार का जिक्र करते हुए बिना कुछ कहे काफी कुछ मांग गए.

'बिहार का भी सभी काम हो ही जाएगा'

असल में नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी पार्टी भाजपा संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी को भारत के प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन देती है. यह बहुत खुशी की बात है कि 10 साल से ये पीएम हैं और फिर पीएम होने जा रहे हैं. इन्होंने पूरे देश की सेवा की. हमें पूरा भरोसा है कि जो भी बचा हुआ है अगली बार सब पूरा कर देंगे. हम लोग पूरे तौर पर, सब दिन इनके साथ रहेंगे, ये जैसे भी करेंगे, जो करेंगे वह सब बहुत अच्छा है. लगे हाथ उन्होंने यह भी कह दिया कि हम बिहार के लिए भी अच्छा ही करेंगे. उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में बिहार और देश बहुत आगे बढ़ेगा. बिहार का भी सभी काम हो ही जाएगा. जो बचा हुआ काम है उसे भी पूरा किया जाएगा. यह सुनकर मोदी भी मुस्कुराते रहे.

संकेत दे दिया.. विशेष राज्य का दर्जा

बिहार का जिक्र करके नीतीश कुमार ने संकेत दे दिया कि बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा जरूर उन्हें चाहिए. इसकी लंबे समय से मांग भी चल रही है. वहीं इसके अलावा नीतीश ने कहा कि हमें लगता है कि अगली बार जब आएंगे तो कुछ सीट जो ये (विपक्ष) जीत गए हैं, अगली बार सब हारेंगे. हमें पूरा भरोसा है. विपक्ष बिना मतलब की बात बोलता है. इन लोगों ने कोई काम नहीं किया, देश की कोई सेवा नहीं की, लेकिन आपने इतनी सेवा की है कि इस बार जनता ने आपको फिर मौका दिया है और इस बार जब आप सेवा करेंगे तो फिर अगली बार विपक्ष के पास कुछ नहीं रहेगा. इसलिए हम हर काम में आपके साथ रहेंगे, हम लोग मिलकर चलेंगे.

एनडीए के नेताओं ने भाषण दिए

नीतीश के अलावा एनडीए के अन्य नेताओं ने भी पीएम मोदी का समर्थन किया है. राजनाथ सिंह की ओर से पीएम मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता नामित करने के प्रस्ताव का समर्थन किया गया. फिर पीएम मोदी के समर्थन में अमित शाह, नितिन गडकरी, अनुप्रिया पटेल, नीतीश कुमार, चिराग पासवान, जीतन राम मांझी समेत एनडीए में शामिल दलों के नेताओं ने भाषण दिए.बता दें कि केंद्र में नई सरकार के गठन से पहले संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही एनडीए के सभी दलों के नेता पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में पहुंचे तो यहां का नजारा ही अलग था. नरेंद्र मोदी सरकार की लगातार तीसरी जीत पक्की हुई है और एनडीए ने इतना बड़ा जनादेश पाया है. पीएम मोदी इस जीत के बाद जब पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में बैठक के लिए पहुंचे तो उन्होंने भारत के संविधान को अपने माथे से लगा लिया.

किदवईनगर और गोविंदनगर से मिली भाजपा को संजीवनी

गल्ला मंडी कानपुर में इस तरह हुई ईवीएम से गिनती

पल पल बदलता रहा कानपुर सीट का रूझान ◀◀ जहां कैंट, आर्यनगर और सीसामऊ सीट पर गठबंधन प्रत्याशी आलोक मिश्रा को बढती मिली ◀◀ किदवईनगर और गोविंदनगर विधानसभा ने रमेश अवस्थी को जीत के द्वार तक पहुंचाया

◀◀ बीपीएस न्यूज

कानपुर। पूरे उत्तर प्रदेश में जहां एनडीए गठबंधन को हार का सामना करना पडा है। वहीं, बीजेपी गढ कानपुर में पल-पल रूझानों से माहौल बदलता रहा। कानपुर में रमेश अवस्थी की जीत के लिए किदवईनगर और गोविंदनगर विधानसभा संजीवनी की तरह से काम किया। आलोक मिश्रा की बढत को खत्म करते हुए रमेश अवस्थी को जीत के दरवाजे में भेज दिया।

इनपुट के अनुसार रमेश अवस्थी करीब 18 हजार से अधिक मतों से विजई घोषित किए गए हैं। जब मतगणना हो रही थी जैसे ही आर्यनगर खुली तो आलोक मिश्रा को 11 हजार की लीड मिल गई। इसके बाद सीसामउ विधानसभा में 26 हजार वोटों की लीड बढी। इसके बाद जैसे ही कैंट विधानसभा खुली आलोक को 43 हजार मतों की लीड मिली तो बीजेपी नेता टेंशन में आए गए। इसके बाद किदवईनगर विधानसभा से जैसे ईवीएम ओपन हुई तो बीजेपी के रमेश अवस्थी को 62 हजार की बढत मिली। इसके बाद गोविंदनगर विधानसभा से वोट देखकर बीजेपी वालों के चेहरे खिल उठे क्यों कि 40 हजार की बढत से मामला आगे बढ गया। इस तरह से रमेश अवस्थी को आलोक से कडा संघर्ष करने को मिला।

कानपुर से रमेश अवस्थी विजई घोषित...

बड़े संघर्ष का रहा रमेश अवस्थी का चुनाव

लोकसभा चुनाव 2024 की मतगणना के रूझानों में कई सीटों पर बड़ा उलटफेर देखने को मिला। कानपुर में एनडीए व इंडी गठबंधन में कांटे की टक्कर देखने को मिली। भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी व कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा के बीच रूझानों में बार-बार उठापटक देखने को मिलती रही। पहले राउंड में रमेश अवस्थी 1876 वोटों से आगे चल रहे थे। दूसरे राउंड में उन्होंने बढ़त को बढ़ाकर लगभग 16000 वोट कर लिया था। पांचवा राउंड में यह अंतर महज 10 हजार वोट के करीब रह गया। वहीं छठे राउंड में यह अंतर 6 हजार वोटों के करीब रह गया। सातवें राउंड में 131444 वोटों के साथ रमेश अवस्थी आलोक मिश्रा से लगभग 6 हजार वोटों से आगे थे ।रूझानों में उलटफेर देखने को मिल रहा है। कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा 164080 वोटों के साथ रमेश अवस्थी से 1991 वोटों से आगे चल रहे हैं। वहीं आठवें राउंड में 151673 वोटों के साथ आलोक मिश्रा से 8765 वोटों से आगे चल रहे हैं। फिलहाल ग्यारवें राउंड की वोटिंग में रमेश अवस्थी लगभग 1800 वोटों से आगे हुए।

आलोक मिश्र का अहंकार ले ही डूबा...

◀◀ गठबंधन का जबरदस्त माहौल के बावजूद आलोक मिश्रा का मिस-मैनेजमेंट बना जिम्मेदार ◀◀ कानपुर में बीजेपी से जीत हासिल करने वाले रमेश अवस्थी से अंदरखाने में नाराज थे पार्टी के पदाधिकारी ◀◀ कानपुर में बीजेपी जीती जरूर लेकिन खराब प्रदर्शन

कानपुर।उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण सीटों में गिनी जाने वाली कानपुर सीट में भारतीय जनता पार्टी ने फिर से जीत दर्ज की है।

जब कि कानपुर में गठबंधन का जबरदस्त माहौल और बीजेपी प्रत्याशी से नाराजगी को बावजूद कांग्रेस के आलोक मिश्रा चुनाव नहीं जीत सके। इसके पीछे आलोक मिश्रा का मिस-मैनेजमेंट जिम्मेदार माना गया।रमेश अवस्थी को 3 लाख 47 हजार 591 और आलोक मिश्र को 3 लाख 34 हजार 222 वोट मिले। यह हार-जीत का आंकडा बहुत है।

कांग्रेस के पुराने कार्यकर्ताओं ने किया था किनारा

आलोक मिश्रा चुनाव में पुराने दिग्गज कांग्रेसी चेहरे गायब हो गए थे। उनका चुनाव मैनेजमेंट उनके खास कुछ नेता ही देख रहे थे जो कि बजट पर चपत लगा रहे थे। हालांकि, कांग्रेसी इस बात से खुश हैं कि उनको कानपुर में अच्छा वोट प्रतिशत मिला लेकिन राजनीतिक लोग कहते हैं कि इस बार जीतने का पूरा माहोल था लेकिन आलोक मिश्रा द्वारा जमीन पर चुनाव लडना ही हारने का सबसे बडा कारण बना। कांग्रेस और गठबंधन के नेता जनसंपर्क के दौरान फोटो सेशन तक ही दिखते थे। इसका स्वराज इंडिया ने भी एनालिसिस किया था।

बड़े-बड़ों ने टांग खींचकर भोले को छकाया फिर भी जीते, अपनों ने बनाई दूरी

कानपुर। अकबरपुर संसदीय सीट पर इस बार भाजपा को कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा। पार्टी उम्मीदवार देवेंद्र सिंह भोले भले ही चुनाव जीत गए पर उन्हें तीन विधानसभा क्षेत्रों में उनके अपनों ने ही खूब छकाया। भोले को घाटमपुर, बिठूर और अकबरपुर- रनिया में नुकसान हुआ पर महाराजपुर और कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं ने बचाया।

अकबरपुर- रनिया में भितरघात से पिछड़े

अकबरपुर- रनिया विधानसभा क्षेत्र में देवेंद्र सिंह भोले इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार राजाराम पाल से पिछड़े। यहां उन्हें भितरघात का भी जबरदस्त सामना करना पड़ा। कहा जा रहा है कि यहां दलित मतदाताओं के साथ ही ब्राह्मण मतदाता भी सपा के राजाराम पाल के साथ गए। इस वजह से यहां भोले को मात्र 79046 मतों से संतोष करना पड़ा, जबकि पाल ने 108489 मत पाकर भोले पर जबरदस्त बढ़त बनाई। 2017 और 2022 में इस विधानसभा सीट से जीत दर्ज करने वाली भाजपा को 2022 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले भी कम वोट मिले। अकबरपुर सीट पर पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी भी टिकट के दावेदार थे तो भोले से उनकी दूरी किसी से भी नहीं छिपी है।

महाना के क्षेत्र में तय हुई जीत

देवेंद्र सिंह भोले की जीत की इबारत महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में लिखी गई। इस क्षेत्र से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना विधायक हैं और यहां न तो भोले को किसी भितरघात का सामना करना पड़ा और न ही क्षेत्रीय विधायक की दूरी का। महाना के साथ ने भोले को यहां मजबूत किया और उन्होंने 142358 वोट पाकर राजाराम पाल से 48670 मतों से आगे निकल गए। पाल को यहां 93688 मत मिले। भोले को यहां मिले जबरदस्त वोट ने पूरे चुनाव का पासा पलट दिया। हालांकि 2022 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले यहां भोले को कम वोट मिले हैं। तब महाना को यहां से 1.52 लाख वोट मिले थे।

विधायक की नाराजगी परेशानी का सबब बनी

घाटमपुर विधानसभा से मौजूदा विधायक सरोज कुरील भाजपा के सहयोगी दल अपना दल सोनेलाल के टिकट पर जीतीं थीं। बताते हैं कि उनकी भोले से नाराजगी पुरानी है। ऐसे में चर्चा है कि विधायक और उनके समर्थकों ने भोले के लिए कुछ खास प्रचार नहीं किया। इस विधानसभा से गठबंधन उम्मीदवार राजाराम को 18946 मतों से बढ़त मिली। भाजपा को 74951 वोट मिले, जबकि राजाराम को 93897 मत मिले। हालांकि यहां की बढ़त को पाल कल्याणपुर और महाराजपुर में बरकरार नहीं रख सके। भोले को यहां भी विधानसभा चुनाव के मुकाबले कम वोट मिले।

शहरी मतदाता बने बड़ा सहारा

कल्याणपुर विधानसभा को भाजपा का गढ़ भी कहा जाता है। 2012 के चुनाव को छोड़ दें तो लगातार यहां से भाजपा ही जीत रही है। ऐसे में यहां के मतदाताओं ने भाजपा का साथ लोकसभा चुनाव में भी नहीं छोड़ा। कल्याणपुर विधानसभा में शहरी मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। अगर इस सीट पर भोले को मिले मतों को देखें तो शहरी क्षेत्र में आते ही भोले ने एक अच्छी लीड बनाई। यहां भोले को 114672 और गठबंधन उम्मीदवार राजाराम को 60066 वोट मिले। यहां और महाराजपुर में मिली बढ़त का लाभ भोले को हुआ और वे जीत गए।

बिठूर में भितरघात से पिछड़े

इस विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को गठबंधन उम्मीदवार से 10397 वोट कम मिले। ऐसा तब है, जब इस सीट पर मौजूदा विधायक भाजपा से हैं। वे 2017 में भी जीते थे।

इसके पीछे भाजपाई भितरघात की बात कह रहे हैं। कहा जा रहा है कि भोले का नामांकन होने के बाद तक क्षेत्रीय विधायक अभिजीत सिंह सांगा उनसे दूरी बनाए रखे। जुबानी जंग भी जारी रही। जब इस मुद्दे पर चर्चा तेज हुई तो अचानक सांगा ने बेमन मंच साझा किया पर इसका लाभ यहां भोले को नहीं मिला। नतीजा यह हुआ कि विधानसभा क्षेत्र में गठबंधन उम्मीदवार राजाराम पाल आगे रहे।

भोले सिंह और रमेश अवस्थी की जीत पर प्रमिला पांडेय की अगुवाई में जमकर हुई आतिशबाजी

मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में 15 रोगियों को न्यूट्रिशन सामग्री का वितरण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। राज्यपाल उत्तर प्रदेश द्वारा चलाई जा रही टीवी रोग मुक्त मुहिम कार्यक्रम के अनुपालन में आज इंडियन रेड क्रास सोसाईटी कानपुर के द्वारा मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल में 15 रोगियों को न्यूट्रिशन सामग्री का वितरण किया गया। यह न्यूट्रीशन सामग्री उन्हें तब तक वितरित की जाती रहेगी जब तक वह पूर्ण रूप से टीवी रोग मुक्त नही हो जाते।

उक्त न्यूट्रीशन वितरण कार्यक्रम में आज जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में जनपद कानपुर वासियों से अपील करते हुए कहा कि एक वर्ष में जनपद कानपुर नगर को टीवी मुक्त जनपद बनाना है इसके लिए जनपद कानपुर नगर के समस्त सम्भ्रान्त नागरिको, सभी हॉस्पिटल, स्वयं सेवी संगठनों, लायंस क्लब, रोटरी क्लब, व्यापारिक संगठनों, औधोगिक संगठनो द्वारा शहर के टीवी पेशेंट को गोद लेते हुए उन्हें तब तक पुष्टाहार सामग्री का वितरण करना है जब तक वह पूर्ण रूप से टीवी मुक्त नही हो जाते, इस मुहिम में जनपद वासियों को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना है और जनपद कानपुर नगर को टीवी मुक्त करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।कार्यक्रम में संजय वर्मा विभागाध्यक्ष, मुरारी लाल चेस्ट हॉस्पिटल, एन0सी0 त्रिपाठी सीएमएस, अंगद सिंह मंडल प्रभारी रेड क्रॉस सोसाइटी, आर0के0 सफ्फड़ आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पोस्टमार्टम में लावारिस लाशो का बढ़ा आंकड़ा, उर्सला के डाक्टर ने दो एसी किए दान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हीट वेव और दुर्घटनाओ में हुई मौतो का आंकडा इस कदर बढ़ा कि शव को रखने के लिए पोस्टमार्टम में जगह कम पड गयी। हीट वेव के कारण कई शव लावारिस में दाखिल हुए जिनकी पहचान कोई भी करने वाला नही पहुंचा। शव के ज्यादा सडने के कारण दुर्गंध से पूरा परिसर भर गया है। इस भीषण गर्मी को देखते हुए उर्सला अस्पताल के डाक्टर सपन गुप्ता ने पोस्टमार्टम हाउस के लिए दो एसी दान में दिए। पोस्टमार्टम हाउस के इंचार्ज डा0 नवनीत चौधरी ने बताया कि पोस्टमार्टम हाउस में 1 हफ्ते में 100 से ज्यादा लाशे आयी जिसका पोस्टमार्टम किया गया जिनके रखरखाव की समुचित व्यवस्था न होने के कारण शव सडने की कगार पर हो गए थे । सीएमओ आलोक रंजन के निर्देश पर डॉक्टरों की टीम बड़ाई गई ,डॉक्टरों ने दिन रात एक कर एक सप्ताह में 100 शवो से ज्यादा का पोस्टमार्टम किया। बढ़ती गर्मी को देखते हुए जिला अस्पताल उर्सला के डॉ. सपन गुप्ता ने पोस्टमार्टम हाउस को दो एसी दान स्वरूप भेंट किए जो कि एक पोस्टमार्टम करने वाले कमरे में लगाया गया तथा दूसरा लाशो के रखने वाले कमरे में फिट किया गया । डा0 नवनीत चौधरी ने डॉ. सपन गुप्ता का आभार प्रकट किया। वही डॉ. सपन गुप्ता ने कहा , व्यापारी और ऊंचे तबके के लोगो से अपील की है कि वह भी सहयोग के लिए आगे आए और ऐसे पुण्य कार्या में अपनी सहभागिता को दर्शाए।

चुनाव सकुशल संपन्न होने पर व्यापारियों ने किया सम्मान, अराजक तत्वों से सुरक्षा की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एक्सप्रेस रोड व्यापार मंडल कलेक्टरगंज उद्योग व्यापार मंडल द्वारा चुनाव सकुशल संपन्न कराए जाने पर एसीपी कलेक्टर गंज और फोर्स को किया धन्यवाद, वही एक्सप्रेस रोड व्यापार मंडल के व्यापारियों ने पुलिस को समस्या से भी अवगत कराया, शहर के सबसे बड़े बाजार एक्सप्रेस रोड नयागंज कैनल रोड पर थोक व्यापार होता है, व्यापारियों ने शराब ठेके से एक्सप्रेस रोड पर अराजकता फैलाने वाले शराबियों आराजक तत्वों से सुरक्षा की लगाई गुहार ।आज भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री एक्सप्रेस रोड व्यापार मंडल अध्यक्ष रोशन गुप्ता, भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल कानपुर नगर युवा अध्यक्ष आशीष मिश्रा, श्यामलाल मूलचंदानी संरक्षक, महामंत्री अनुराग साहू सचिन त्रिवेदी ईखलाख मिर्जा, मंत्री नितिन सिंह पी एस पांडे, आदि बड़ी संख्या में व्यापारियों ने एक एसीपी कलेक्टर गंज इंस्पेक्टर हरबंस मोहाल , कलेक्टर गंज आदि को चुनाव सकुशल संपन्न होने पर बधाई देते हुए, अराजक तत्वों से व्यापारियों को सुरक्षित रखने की गुहार भी लगाई।

नगर आयुक्त ने किया विभाग द्वारा कराये जा रहे नालों का निरीक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम के नगर आयुक्त श्री शिवशरणप्पा जी0एन0 द्वारा आज दिनांक 07.06.2024 अभियंत्रण विभाग द्वारा साफ कराये जा रहे बड़े नालों मुख्यत: सी0ओ0डी0 नाला, आर0बी0आई0 नाला, रफाका नाला, सनिगवॉ नाला, यशोदा नगर व्हाइट हाउस पुलिया, सचान नहर से पटेल चौक आदि का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री मनीष अवस्थी मुख्य अभियन्ता, श्री दिवाकर भास्कर, श्री सिदार्थ गौतम अवर अभियन्ता व अन्य अभियन्ता मौके पर उपस्थित रहे।

सी0ओ0डी0 नाले का निरीक्षण किया गया। व्हाइट हाउस पुलिया के पास नाला साफ पाया तथा पानी का बहाव भी संतोषजनक पाया गया, परन्तु इसी के आगे चलते हुए कई स्थान पर सूखी सिल्ट भी भारी मात्रा में पायी गयी। सी0ओ0डी0 नाले के पैररल चलते हुए आगे पुलिया पर एक स्थान पर नाला सकरा पाया गया तथा मछरिया तक नाले की सफाई कई स्थान पर संतोषजनक नही पायी गयी। हमीरपुर रोड पर आकाश हॉस्पिटल पुलिया पर देखने से ऐसा प्रतीत हुआ कि यहॉ पर अभी तक सफाई नही हुयी है। इस पर रोष व्यक्त करते हुए नगर आयुक्त ने अवर अभियन्ता श्री आकाश दीप को प्रतिकूल प्रविष्टि तथा जोनल अभियन्ता श्री दिवाकर भाष्कर को कारण बताओ नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिये, साथ ही मौके पर उपस्थित मुख्य अभियन्ता को स्पष्ट निर्देश दिये कि आज ही सी0ओ0डी0 नाले की पूरी तलीझार सफाई हेतु माइक्रोप्लान बना ले और जगह-जगह फॉसी मशीन, पोकलेन मशीन व अन्य मशीन लगाते हुए एक सप्ताह में पूर्ण सफाई सुनिश्चित करायें, इस हेतु प्राईवेट एजेन्सियों के माध्यम से सफाई उपकरणों को लेते हुए कार्य प्रत्येक दशा में पूर्ण कराये।

जोन-3 स्थित आर0बी0आई0 नाले का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यशोदा नगर पेट्रोल पम्प पर नाले की सफाई संतोषजनक पायी गयी । नाले के दोनों चैनलों पर पानी का बहाव ठीक पाया गया। आरबीआई कॉलोनी के बाहर पानी काफी ऊपर की ओर पाया गया। साथ ही सूखी सिल्ट भी काफी मात्रा में पायी गयी। मौके पर अवर अभियन्ता को निर्देश दिये गये कि तत्काल जहॉ पर नाला ब्लाक हो रहा है, वहॉ पर तलीझार सफाई कराते हुए पानी का बहाव सही किया जाय, इस हेतु जो भी अतिक्रमण हो, उसे तत्काल ध्वस्त किया जाये। इसके अतिरिक्त यशोदा नगर पेट्रोल पम्प के पास क्रास जा रहे नाले की भी गहनता से सफाई करायी जायें।इसके अतिरिक्त कई नालों में सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।

नशे के सौदागर का हाफ इनकाउंटर

जवाबी कार्यवाही में लगी इंस्पेक्टर को भी गोली

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चेकिंग के दौरान रेलबाजार पुलिस व तस्करों से मुठभेड़ में थानाध्यक्ष रेल बाज़ार पर तस्कर ने फायरिंग कर दी, जिसमे बुलेट प्रूफ जैकेट के चलते थानाध्यक्ष बाल बाल बच गए। जानकारी के अनुसार 8 जून की रात्रि में रेलबाजार थाने की पुलिस चेकिंग में लगी हुई थी मुखबिर की सूचना पर संदिग्ध वाहन सवार को रोकने पर चालक ने गोली चला दी जिसमे थानाध्यक्ष रेलबाजार बुलेटप्रूफ जैकेट पहनने के कारण बच गए जवाबी फायरिंग में आरोपी घायल होगया। तफ्तीश करने पर करीब 25 मुकदमों में वांछित नशे का सौदागर बलराम राजपूत की जानकारी हुई जिसे तुरंत गिरफ़्तार कर अस्पताल में इलाज हेतु भेज दिया गया है।

ड्रग तस्कर बलराम राजपूत के पैर में लगी पुलिस की गोली रेल बाजार थाना क्षेत्र के शिव नारायण टंडन सेतु के नीचे हुई मुठभेड़ घायल तस्कर को पुलिस ने इलाज के लिए भेजा

नीट परीक्षा पर छात्रों ने कोचिंग के बाहर किया हंगामा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नीट प्रवेश परीक्षा में हुई गड़बड़ी पर शनिवार को काकादेव कोचिंग मंडी में भी छात्रों ने प्रदर्शन किया। कोचिंग के बाहर इकट्ठा हुए छात्रों ने कहा कि परीक्षा पेपर लीक होने से छात्र तनाव में है। इस बार नीट में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। परीक्षा लीक ने हम सभी को संकट में डाल दिया है।

दोपहर में नीट के छात्र अपनी-अपनी कोचिंग के बाहर इकट्ठे हुए। इसके बाद सभी ने प्रदर्शन करना शुरू किया। कुछ लड़के और लड़कियां हाथ में तख्ती लेकर नारे लगा रहे थे। तख्ती में लिखा था भ्रष्टाचार बंद करों। हंगामे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची काकादेव पुलिस ने छात्र-छात्राओं को समझा बुझाकर शांत कराया। छात्रों ने पुलिस से कहा कि पूरे साल मेहनत कर के परीक्षा देने वालों के साथ यह गलत हो रहा हैं। छात्रों ने बताया कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को शिकायत में बताया गया है कि 24 लाख बच्चों में 67 स्टूडेंट को 720 में 720 अंक मिले हैं। ऐसे में सभी की रैंक अच्छी आई है तो एम्स दिल्ली जैसे अस्पताल में किसे प्रवेश दिया जाएगा। ऐसे में जिनकी रैंक कम है उन्हें तो हर जगह प्रवेश लेने में दिक्कत होगी। ऐसे में कम रैंक वाले छात्र कहां जाएंगे। वहीं, एक बड़े कोचिंग संस्थान के मैनेजमेंट ने नाम न छापने के दौरान बताया कि प्रवेश परीक्षा में 180 प्रश्न पूछे गए और हर प्रश्न का अंक चार रखा गया था। इसमें माइनस मार्क भी है। तो किसी छात्र के 717, 716 अंक मिलना ये तो संभव ही नहीं है। जबकि हरियाणा के एक कोचिंग के आठ बच्चे के पूरे-पूरे अंक मिलना, गले से नहीं उतरता।

यूपी संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा 11 व 12 को

कानपुर। सीएसए के कुल सचिव डॉक्टर पी के उपाध्याय ने बताया कि उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा 2024 (यूपी कैटेट प्रवेश परीक्षा 2024) का आयोजन 11 व 12 जून 2024 को कानपुर नगर में 6 परीक्षा केन्द्रों पर संपन्न कराई जायेगी। डॉक्टर उपाध्याय ने बताया कि कृषि स्नातक की प्रवेश परीक्षा 11 जून 2024 को प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक आयोजित होगी। कृषि स्नातक जिसमें 3330 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। यह प्रवेश परीक्षा कानपुर नगर में 6 परीक्षा केन्द्रों पर संपन्न कराई जाएगी। परास्नातक एवं पीएचडी प्रवेश परीक्षा 12 जून 2024 को प्रथम पाली प्रात: 9 से 12 बजे तक जिसमें 902 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि द्वितीय पाली अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक एमबीए प्रवेश परीक्षा जिसमें 103 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं कि प्रवेश परीक्षा कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस प्रवेश परीक्षा में कानपुर में कुल 4335 अभ्यर्थी 06 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि समस्त अभ्यर्थी जो यूपी कैटेट 2024 प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं वे अपने परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा प्रारंभ होने से एक घंटा पूर्व पहुंचकर उपस्थिति दर्ज कराएं।

अपर महानिदेशक उत्तर व मध्य क्षेत्र ने ओपीएफ के उत्पादों की गुणवत्ता का किया निरीक्षण

कानपुर ।ग्लाइडर्स इण्डिया लिमिटेड की इकाई आयुध पैराशूट निर्माणी में शनिवार को अपर महानिदेशक उत्तर एवं मध्य क्षेत गुणवत्ता सी रमेश ने ओपीएफ के उत्पादों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ओपीएफ के रक्षा उत्पादों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता अत्यन्त उच्च एवं अत्यन्त प्रशंसनीय है।

ओपीएफ में आगमन पर अपर महानिदेशक (उत्तर एवं मध्य क्षेत्र) गुणवत्ता सी. रमेश का यहां स्वागत किया गया। उन्होने निर्माणी के कटिंग शाप तथा पैराशूट उत्पादनशाला में किये जा रहे कार्यों को देखा। उन्होंने कहा कि ओपीएफ के उत्पाद एवं यहां की कार्य करने की शैली वास्तव में अनूठी है। उन्होंने प्रदर्शनी कक्ष में प्रतिदर्शित उत्पादों को भी देखा। इस अवसर पर ओपीएफ महाप्रबंधक एमसी बालासुब्रमणियम ने कहा कि ओपीएफ की पूरी टीम गुणवत्ता व विशिष्टता के साथ उत्पादन के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर संयुक्त महाप्रबंधक एस बनर्जी, विवेक गुप्ता, केके टोप्पो, समदर्शी श्रीवास्तव, कार्य प्रबंधक रूपेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।